साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 16 फरवरी से 22 फरवरी 2026
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 12 में...
क्या रंजन की मौत के राज़ से नहीं उठेगा पर्दा ?

पेज 07 में...
टी-20 वर्ल्डकप में भारत की पाक पर सबसे बड़ी जीत

वर्ष : 01 अंक : 50 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com
पेज 10 महाशिवरात्रि : 'बम बम भोले' की गूंज

सरकारी कंधा बना उगाही का सबब

शिक्षा संवाद के नाम पर नोएडा की इवेंट कंपनी इलेट्स टेक्नोमीडिया ने लगाया बट्टा

'फ्री ऑफ कॉस्ट' प्रोग्राम की शर्त और 'लाखों' की स्पॉन्सरशिप के बाद खुला मामला

शासन की कार्यप्रणाली पर उठ रहे कई गंभीर सवाल, ऐसे आयोजन के नाम पर चंदा वसूली

बिना बैकग्राउंड चेक किए किसी बाहरी कंपनी को विभाग से कैसे मिली इतनी बड़ी वैधता?

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

राजधानी में 17 फरवरी को प्रस्तावित 'शिक्षा संवाद छत्तीसगढ़ 2026' विवादों के घेरे में आ गया है। नोएडा की इवेंट कंपनी इलेट्स टेक्नोमीडिया (Elets Technomedia) पर आरोप है कि उसने उच्च शिक्षा विभाग के सचिव के पत्र का दुरुपयोग कर निजी विश्वविद्यालयों से लाखों रुपये की 'वसूली' की है। मामला सामने आने के बाद उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने जांच के आदेश देने की बात कही है। वहीँ उच्च शिक्षा विभाग की ऑफिशियल साइट पर निजी कंपनी के कार्यक्रम का प्रमोशन और उच्च शिक्षा सचिव डॉ इस.भारतीदासन के लिखे पत्र की आड़ में विभाग की नोएडा की इवेंट कंपनी इलेट्स टेक्नोमीडिया पर जमकर वसूली का आरोप लग रहा है। कांग्रेस का कहना है कि इस कंपनी ने पहले भी कई अन्य राज्यों में इस तरह के आयोजन की आड़ में ऐसी गड़बड़ियां की है। मध्य प्रदेश में नोएडा की इवेंट कंपनी इलेट्स टेक्नोमीडिया का खुलासा भी किया गया था फिर भी छत्तीसगढ़ शासन बेखबर था।

शहर सत्ता/रायपुर। मध्य प्रदेश में डिपार्टमेंट ऑफ़ साइंस एन्ड टेक्नोलॉजी के तत्कालीन प्रमुख सचिव निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने ईलेट्स का यह गड़बड़झाला सबसे पहले पकड़ा था। लेकिन 'शिक्षा संवाद' जैसे वसूली वाले कार्यक्रम को बंद करने के बजाए नोएडा की इवेंट कंपनी इलेट्स टेक्नोमीडिया ने उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ के कंधे में बंदूक रखकर फिर चलाया है। निजी आयोजन को सरकारी बताकर शिक्षण संस्थानों से वसूली की गई है। इतना ही नहीं 'ईलेट्स' सरकारी ऑफिशियल साइट में कार्यक्रम प्रोजेक्ट कर रही हैं। यह वसूली का शिक्षा संवाद भी 'ईलेट्स' द्वारा उच्च शिक्षा सचिव डॉ एस भारतीदासन के पत्र के आधार पर सरअंजाम दिया है। तुर्रा यह कि उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा, उच्च शिक्षा सचिव डॉ एस भारतीदासन समेत पूरा विभाग बेखबर था। निजी कंपनी 'इलेट्स' सरकारी विभाग की साइट में निजी कंपनी के प्रोग्राम का मुफ्त प्रमोशन करके प्रदेश के नामचीन उच्च शिक्षण संतानों से मुंहमांगी मदद ली है।

दो दिन में होने वाले शिक्षा संवाद कार्यक्रम के नाम पर जमकर चंदा वसूली के आरोपों और मीडिया में इसका खुलासा होते ही विभागीय मंत्री और उच्चाधिकारियों के हाथ-पैर फूल गए हैं। उच्च शिक्षा सचिव डॉ एस भारतीदासन से जब फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने कॉल रिसीव किया पर सवाल सुनने के बाद ही बाद में फोन करने की बात कहकर संपर्क विच्छेद कर दिया। वहीं इलेट्स कंपनी के मुखिया रवि गुप्ता किसी का फोन तभी नहीं उठा रहे। बता दें कि दो दिन में होटल कोर्टयार्ड मेरियट में शिक्षा संवाद कार्यक्रम होने वाला है। इस कंपनी का सारा खेल उजागर होने के बाद विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने भी मोर्चा खोल दिया है।

"मुझे इस मामले की जानकारी मीडिया के माध्यम से मिली है। सरकारी पत्रों का दुरुपयोग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मैंने अधिकारियों को इस पूरे प्रकरण की तत्काल जांच करने के निर्देश दिए हैं।"

— टंकराम वर्मा, उच्च शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़

elets

जांच के घेरे में 'इलेट्स'

फिलहाल इवेंट कंपनी के मालिक रवि गुप्ता की ओर से कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि क्या विभाग ने बिना बैकग्राउंड चेक किए किसी बाहरी कंपनी को इतनी बड़ी वैधता दे दी? यदि जांच में वसूली के प्रमाण मिलते हैं, तो आयोजन पर रोक लगने के साथ-साथ एफआईआर की भी संभावना है।

एमपी का 'दागी' इतिहास: फिर वही मोडस ऑपरेंडी?

कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय ठाकुर ने इस मामले में कंपनी के पुराने रिकॉर्ड पर हमला बोला है। उन्होंने बताया कि यही कंपनी मध्य प्रदेश में भी इसी तरह के विवाद में फंस चुकी है। वहां के तत्कालीन प्रमुख सचिव निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने जैसे ही पत्र के दुरुपयोग की बात पकड़ी, कार्यक्रम को तत्काल रद्द कर दिया था। छत्तीसगढ़ में भी अब उसी 'एमपी मॉडल' पर कार्रवाई की मांग उठ रही है।

विभाग की नाक के नीचे खेल, उठे सवाल, भारतीदासन बोले- बाद में बात करेंगे

इस पूरे प्रकरण ने शासन की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वेबसाइट पर प्रमोशन क्यों?: अगर यह प्राइवेट इवेंट है, तो उच्च शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर इसका प्रमोशन कैसे हो रहा है?

सह-आयोजक का टैग: कंपनी अपनी वेबसाइट पर विभाग को 'सह-आयोजक' (Co-organizer) बता रही है, जबकि सचिव का पत्र केवल सहयोग तक सीमित था।

कुलपति भी हुए गुमराह: कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति महादेव कावरे ने स्वीकार किया कि आयोजक सचिव का पत्र दिखाकर इसे सरकारी कार्यक्रम बता रहे थे।

साप्ताहिक शहर सत्ता

शिक्षा संवाद बना कंपनी की वसूली का जरिया

elets
www.eletsonline.com

13 October 2025

Secretary
Department of Higher Education
Government of Chhattisgarh

Sub: Proposal for organising a conference on Higher Education in Chhattisgarh: Current Challenges and the Way Forward- in collaboration with Chhattisgarh Higher Education Department

Dear Sir

Greetings from Elets Technomedia- Asia & Middle East's premier media, technology research and knowledge consulting organization!

Since its inception in 2003, Elets has been championing the cause of fostering innovation in governance by building knowledge sharing platforms in governance, health, education, and BFSI sectors, through conferences, exhibitions, Magazines, contract publications and knowledge portals.

Our monthly magazines on the governance, education and Health sectors- eGov, Digital Learning and eHealth are all focused on promoting ICT based innovations in these sectors. In addition, Elets has organised 600+ conferences in India and abroad in these sectors, in partnership with various central & state governments. Please visit www.eletsonline.com

Our proposal- To organize a national conference at Raipur- 'Higher Education in Chhattisgarh: Current Challenges and the Way Forward

Context- Chhattisgarh with its rich cultural heritage, industrial wealth, ecological diversity, and a growing youth population, stands at a critical juncture in redefining its higher education ecosystem. While the state has made significant strides in expanding access to higher educarion, several persistent challenges continue to affect quality, equity, employability, and relevance.

Rapid technological advancements, evolving youth aspirations, increasing industrialization and the operationalization of NEP 2020 necessitate a healthy exchange of ideas between key stakeholders of Chhattisgarh's higher education ecosystem.

The proposed conference- **Higher Education in Chhattisgarh: Current Challenges and the Way Forward**, will aim to serve as a collaborative platform for stakeholders to assess the current landscape and collectively chart a path forward for providing a tech-oriented, industry aligned, future ready educarion.

Objectives-

- To assess the current status of higher educat:on institutions across Chhattisgarh
- To identify key challenges in quality, access, faculty development, infrastructure, and employability
- To explore innovative models and policy-level interventions in line with NEP 2020
- To discuss integration of digital learning, research, and local relevance into academic curricula
- To formulate actionable strategies and institutional reforms for the next 5–10 years

Support requested from Higher Education Department, Chhattisgarh

- To allow usage of departmental logo as a '**Host Partner**' in all marketing collaterals
- To actively assist Elets in mobilizing speakers and industry participants through 'Speaker & Industry Invites'. Few sample letters are submitted here-with, for your kind reference.
- To put up a banner on departmental website with a hyper-link to the event site
- To guide us in developing the agenda

Conclusion

The conference will not only serve as a critical reflection point but also as a call to action for policymakers, educators, and institutions from Chhattisgarh to align efforts for a future-ready higher education system in the state.

We believe that by leveraging the unique strengths of the state and addressing structural gaps, the event will be able to build a resilient, inclusive, and globally competitive education model rooted in local realities.

In this context, we look forward to your support and cooperation in making this conference a success.

Regards

Dr. Ravi Gupta
CEO & Editor-in-Chief
Elets Technomedia

राजधानी में 17 फरवरी को प्रस्तावित 'शिक्षा संवाद छत्तीसगढ़ 2026' विवादों के घेरे में आ गया है। नोएडा की इवेंट कंपनी इलेट्स टेक्नोमीडिया (Elets Technomedia) पर आरोप है कि उसने उच्च शिक्षा विभाग के सचिव के पत्र का दुरुपयोग कर निजी विश्वविद्यालयों से लाखों रुपये की 'वसूली' की है। मामला सामने आने के बाद उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने जांच के आदेश देने की बात कही है। वहीं उच्च शिक्षा विभाग की ऑफिशियल साइट पर निजी कंपनी के कार्यक्रम का प्रमोशन और उच्च शिक्षा सचिव डॉ इस.भारतीदासन के लिखे पत्र की आड़ में विभाग की नोएडा की इवेंट कंपनी इलेट्स टेक्नोमीडिया पर जमकर वसूली का आरोप लग रहा है। कांग्रेस का कहना है कि इस कंपनी ने पहले भी कई अन्य राज्यों में इस तरह के आयोजन की आड़ में ऐसी गड़बड़ियां की है। मध्य प्रदेश में नोएडा की इवेंट कंपनी इलेट्स टेक्नोमीडिया का खुलासा भी किया गया था फिर भी छत्तीसगढ़ शासन बेखबर था।

सुलगते सवाल

1. क्या इस तरह के मुफ्त और निजी प्रोग्राम के जरिए होता है बेजा वसूली का धंधा?
2. छत्तीसगढ़ में निजी इवेंट कंपनियां परिचर्चा, संवाद के नाम पर पूर्व में कितनी बार की है वसूली?
3. अब तक हुए ऐसे आयोजनों और कंपनियों की विभागों के पास क्यों नहीं है कोई फेहरिस्त?
4. विभाग ने बिना बैकग्राउंड चेक किए किसी बाहरी कंपनी को इतनी बड़ी वैधता क्यों दे दी?
5. यदि जांच में वसूली के प्रमाण मिलते हैं, तो आयोजन पर रोक लगने के साथ होगी जिम्मेदारों पर एफआईआर?

डॉ. एस. भारतीदासन, भा.प्र.से.
सचिव,
Dr. S. Bharathidasan, IAS
Secretary

छत्तीसगढ़ शासन
कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा,
रोजगार एवं उच्च शिक्षा विभाग
Government of Chhattisgarh
Skill Development, Technical Education,
Employment, and Higher Education
Department

Sub: Invitation to join as an 'Industry Partner' at 'ShikshaSamvadChhattisgarh' 17 February 2026, Raipur, Chhattisgarh

Dear Sir/Madam

*The Department of Higher Education, Government of Chhattisgarh in collaboration with EletsTechnomedia as 'Knowledge Partner' is organizing **'ShikshaSamvad 2026'**- a flagship dialogue on the future of higher education, on 17 February 2026 at Raipur, Chhattisgarh.*

The conference will bring together senior policymakers, academic leaders, industry experts, and academic practitioners to deliberate on reforms, innovations, and collaborative pathways for building a future-ready higher education ecosystem.

*Some of the key discussion points would include **industry–academia collaboration, employability and future skills, digital transformation in education, research and innovation, startup and entrepreneurship ecosystems, and implementation of NEP 2020.***

ShikshaSamvadChhattisgarh 2026 is envisioned as a high-level platform between government, industry &academiato facilitate meaningful dialogueandpromote inter-organization collaborations for strengthening India's higher education sector.

In this context, I invite you to this program as an 'Industry Partner' and showcase your products and services through technical presentations, product exhibits and live demonstrations.

We believe that your participation will add significant value to the dialogue while fostering long-term collaboration between government, industry and higher education institutions.

Scanned with OKEN Scanner

Yours sincerely

(Dr. S. Bharathidasan)
Secretary
Higher Education Department

डॉ. एस. भारतीदासन, भा.प्र.से.
सचिव,
Dr. S. Bharathidasan, IAS
Secretary

छत्तीसगढ़ शासन
कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा,
रोजगार एवं उच्च शिक्षा विभाग
Government of Chhattisgarh
Skill Development, Technical Education,
Employment, and Higher Education
Department

Dear Sir,

Sub: Invitation to join as a 'Key Speaker' at 'Shiksha Samvad Chhattisgarh' 17 February 2026, Raipur, Chhattisgarh

Dear Sir/Madam

The Department of Higher Education, Government of Chhattisgarh in collaboration with EletsTechnomedia as 'Knowledge Partner' is organizing 'ShikshaSamvad 2026'- a flagship dialogue on the future of higher education, on 17 February 2026 at Raipur, Chhattisgarh.

The conclave will bring together policymakers, academic leaders, industry experts, and academic practitioners to deliberate on reforms, innovations, and collaborative pathways for building a future-ready higher education ecosystem.

ShikshaSamvad 2026 aims to foster policy dialogue on transforming higher education through policy reforms, industry-academic collaboration, digital enablement, research & innovation, and skill-oriented learning, in alignment with the National Education Policy (NEP) 2020 and emerging national priorities.

Given your distinguished experience and thought leadership in the domain of higher education, it would be my pleasure to invite you to this forum as a 'Key Speaker' and add value to the deliberations.

I look forward to your kind confirmation.

Yours sincerely
(Dr. S. Bharathidasan)
Secretary
Higher Education Department

To:
Shri/Smt.....
.....
.....

'फ्री ऑफ कॉस्ट' की शर्त और 'लाखों' की स्पॉन्सरशिप

विभागीय सूत्रों के अनुसार, उच्च शिक्षा सचिव एस. भारती दासन ने जिस पत्र के आधार पर कार्यक्रम को अनुमति दी थी, उसमें स्पष्ट उल्लेख था कि यह आयोजन 'फ्री ऑफ कॉस्ट' होगा। लेकिन आरोप है कि कंपनी ने इसी पत्र को 'सरकारी मुहर' की तरह इस्तेमाल किया और प्रदेश की प्राइवेट यूनिवर्सिटीज को यह भरोसा दिलाया कि यह पूर्णतः सरकारी आयोजन है। इसके बाद स्पॉन्सरशिप के नाम पर भारी भरकम फंड जुटाया गया।

ANJANEYA UNIVERSITY RAIPUR

AMITY UNIVERSITY CHHATTISGARH

KALINGA UNIVERSITY RAIPUR INDIA

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक
Indian Overseas Bank
आपकी प्रगति का सच्चा साथी
Good people to grow with

MATS UNIVERSITY

BHARTI VISHWAVIDYALAYA DURG, CG

हेरोइन-गांजा सप्लायर अरेस्ट, 9 आरोपी मादक पदार्थों के साथ पकड़ाए

35 लाख से अधिक का सामान जब्त; पुलिस बोली- कार्रवाई लगातार जारी रहेगी

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर पुलिस शहर में ड्रग्स, गांजा और नशीली गोलियां बेचने वाले आरोपियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। शनिवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कबीर नगर थाना क्षेत्र में हेरोइन और गांजा बेचने पहुंचे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में गांजा सप्लाई करने पहुंचे तीन आरोपियों और गोल बाजार थाना क्षेत्र में हेरोइन बेचने पहुंचे एक आरोपी को भी पकड़ा गया है। डीडी नगर और खमतराई थाना क्षेत्र में भी पुलिस ने गांजा और नशीली गोलियां बेचने की फिराक में घूम रहे आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसी तरह पुलिस ने 35 लाख से ज्यादा का माल जब्त की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नशा कारोबारियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। वहीं, आरोपियों से जुड़े नेटवर्क और पूरे मामले का खुलासा रायपुर पुलिस के अधिकारी जल्द करेंगे।

हेरोइन और गांजा के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

कबीर नगर थाना पुलिस ने हीरापुर इलाके में वेदांत वाटिका के पास रेड कार्रवाई करते हुए धर्मेंद्र सिंह और संतोष सिंह सिदार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से हेरोइन और गांजा बरामद किया है।

एमडीएमए के साथ आरोपी गिरफ्तार

गोल बाजार पुलिस ने डीकेएस अस्पताल की पार्किंग के पास से आरोपी चित्रांश पवार (20) को पकड़ा है। आरोपी के पास से पुलिस ने एमडीएमए और एक मोबाइल बरामद किया है। जब्त माल की कीमत 80 हजार रुपए आंकी गई है।

गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

डीडी नगर पुलिस ने चंगोराभाठा में महादेवा तालाब किनारे के पास से आरोपी नारायण यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर गांजा बरामद किया है।

50 किलो गांजा के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार

सिविल लाइन पुलिस ने केनाल रोड स्थित दुर्गा मंच के पीछे एक टोयोटा कार में सवार हरिकेश सहित तीन आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 50 किलो गांजा बरामद किया है।

खमतराई पुलिस ने गांजा और नशीली गोलियां पकड़ी

खमतराई पुलिस ने गांजा और नशीली गोलियां बेचने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के नाम मयंक सोनी और राकेश अग्रहारकर बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर गांजा और नशीली गोलियां बरामद की है।

आरोपी ओडिशा से गांजा लाकर महाराष्ट्र ले जा रहे थे

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त तारकेश्वर पटेल ने सिविल लाइन इलाके में 50 किलो गांजा के साथ पकड़े गए आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आरोपी गांजा ओडिशा से लेकर आए थे और महाराष्ट्र लेकर जा रहे थे। आरोपी सिविल लाइन इलाके में किसी को गांजा देने के लिए रुके थे।

इंडिया–पाकिस्तान मैच से पहले सटोरी गिरफ्तार, ऑनलाइन खिला रहे थे सट्टा

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर के तिल्दा नेवरा में इंडिया-पाकिस्तान मैच से पहले ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले सटोरी को पुलिसकर्मियों ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1 लाख 80 हजार कैश सहित मोबाइल, बैंक दस्तावेज और सट्टे से जुड़े कई सामान जब्त हुआ है। आरोपी का नाम हरियाणा निवासी जितेन्दर बिरला उर्फ बबलू बताया जा रहा है। आरोपी किराए के मकान में रहकर सट्टा सिंडिकेट चला रहा था। उसके साथियों की तलाश पुलिस कर रही है।पुलिस को सूचना मिली थी कि, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कोहका स्थित एक मकान में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खिलाया जा रहा है। इस दौरान ऑनलाइन प्लेटफार्म 777 GRAND EXCHANGE–JMD BET से सट्टा खिला रहे जितेंद्र बिरला उर्फ बबलू को हिरासत में लिया गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने ऑनलाइन सट्टा खिलाने की बात स्वीकारी। आरोपी के पास से पुलिसकर्मियों ने 1.80 लाख रुपए कैश, तीन मोबाइल (कीमत करीब 75 हजार रुपए), 20 बैंक पासबुक, 10 चेकबुक, 14 एटीएम कार्ड, आधार-पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, सट्टे का हिसाब-किताब रजिस्टर, कैलकुलेटर और अन्य सामग्री सहित 2.55 लाख का सामान जब्त किया है।

रायपुर GATE परीक्षा में ब्लूटूथ डिवाइस से नकल

शूज में छिपाकर एग्जाम-सेंटर पहुंचे, बाहर सॉल्व कर रहे थे

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में GATE परीक्षा में नकल का मामला सामने आया है। हरियाणा के 3 बीटेक स्टूडेंट्स को एग्जाम सेंटर रायपुर मिला था। सरोना स्थित निजी कॉलेज में 14 फरवरी को परीक्षा आयोजित थी। जहां तीनों युवक जूते में ब्लूटूथ डिवाइस छुपाकर पहुंचे थे।

मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का है। इनके ब्लूटूथ डिवाइस बाहर बैठे अन्य 3 युवकों से कनेक्ट थे। ये आरोपी भी हरियाणा से आए थे। इस परीक्षा में जूते पहनकर जाने की अनुमति होती है, इसलिए जूते की चेकिंग नहीं हुई। एग्जाम सेंटर पहुंचने के बाद स्टूडेंट्स ने वॉशरूम जाकर डिवाइस कान में लगाया और एक्टिवेट कर लिया। इधर से दबी आवाज में सवाल बताने लगे और बाहर बैठे सॉल्वर जवाब दे रहे थे। परीक्षा केंद्र प्रभारी को शक होने पर उन्होंने थाने में सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला है कि स्टूडेंट्स से 2-2 लाख में डील हुई थी।

अब सिलसिलेवार जानिए पूरा घटनाक्रम

हरियाणा के रहने वाले दर्शन सहवाग, लक्ष्मीनारायण उर्फ लक्की और अमर तीनों बीटेक पास कर चुके हैं और एमटेक के लिए GATE परीक्षा दे रहे थे। इनमें दर्शन और अमर जॉब भी कर रहे हैं। तीनों को रायपुर के सरोना स्थित निजी कॉलेज में सेंटर मिला था। परीक्षा पास कराने के लिए तीनों ने नकल कराने वाले गैंग की मदद ली थी। हरियाणा के ही रहने वाले यू-ट्यूबर नरेंद्र कुमार, इंजीनियर सुमित सहवाग और अमर से 2 लाख में डील हुई। नकल की पूरी प्लानिंग हरियाणा में ही हो गई थी। तीनों स्टूडेंट से 6 लाख लेने के बाद वे सब रायपुर पहुंचे थे।

ऑनलाइन आंसर सर्च कर बताते थे

रायपुर के सरोना स्थित TCS-iON डिजिटल जोन में एग्जाम सेंटर शनिवार (14 जनवरी) को GATE की परीक्षा हुई। जहां बाहर बैठकर तीनों प्रश्न सॉल्व कर रहे थे। लैपटॉप की मदद से ऑनलाइन आंसर तलाशते फिर स्मॉल ब्लू टूथ ईयर डिवाइस के जरिए स्टूडेंट्स को बता रहे थे।

मरीन ड्राइव BSUP कालोनी में पुलिस की दबिश

सुबह साढ़े 4 बजे दरवाजे पर पुलिस को देख लोगों में मचा हड़कंप

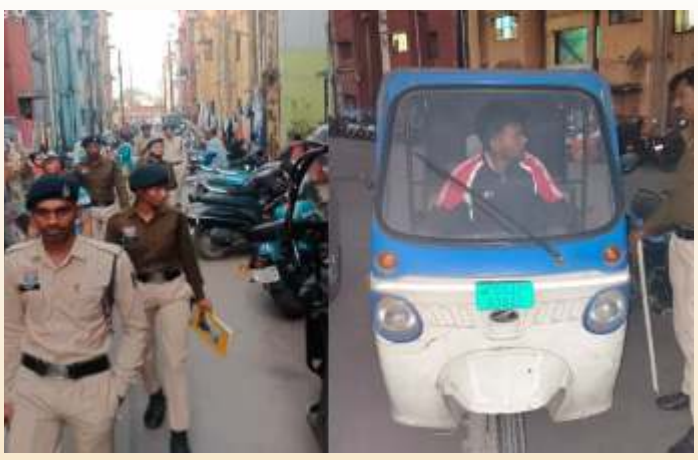

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू होने के बाद से लगातार कॉलोनियों व मोहल्ले में औचक चेकिंग और संदिग्ध लोगों से पूछताछ जारी है। रायपुर मध्य जोन पुलिस ने आज तड़के मरीन ड्राइव बीएसयूपी कॉलोनी में सरप्राइज चेकिंग की। रायपुर मरीन ड्राइव के बीएसयूपी कॉलोनी में उस वक्त हड़कंप मच गया जब लोग सोकर उठे ही नहीं थे और तड़के ही पुलिस की टीम उनके दरवाजे पर पहुंच गई। पुलिस को अपनी चौखट में अचानक देख लोग घबरा गए। पुलिस ने कॉलोनी में रहने वाले लोगों का मौके पर ही वेरीफिकेशन किया और पूछताछ की।

सरप्राइज चेकिंग के दौरान पुलिस ने कॉलोनी में खड़ी गाड़ियों के कागजात व उनके मालिकों के संबंध में भी पूछताछ की। इस दौरान संदिग्ध आचरण वाले लोगों को नोटिस देकर तेलीबांधा थाने तलब किया गया। बीएसयूपी कालोनी मरीन ड्राईव में कुल 40 ब्लाक व 640 क्वाटर हैं। आज सुबह करीब साढ़े 4 बजे पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों के द्वारा बीएसयूपी कालोनी मरीन ड्राईव औचक चेकिंग की गई। इस दौरान पुलिस वहां रह रहे लोगों का वेरिफिकेशन किया। साथ ही परिवार में कितने लोग हैं, कहां से आए है और क्या-क्या काम करते है। सभी तरह की जानकारी ली गई। वहां निवासरत लोगों की गाड़ियों का नाम नंबर नोट कर गाड़ियों के कागजात जांचे गए। मालूम हो कि बीते 3 फ़रवरी को संवाद से समाधान कार्यक्रम के अंतर्गत बीएसयूपी कॉलोनी में ADCP (मध्य जोन) तारकेश्वर पटेल व ACP रमाकांत साहू (मध्य जोन) व थाना प्रभारी तेलीबांधा द्वारा बैठक ली गई थी। इस दौरान उनकी समस्याओं को सुना गया था। कॉलोनीवासियों ने 3 समस्याएं बतायी थी।

- कालोनी व देवारपारा के बीच का दीवार टुटा होना जिससे असामाजिक तत्वों का कालोनी में प्रवेश होता है।
- शिकायत करने हेतु कोईसंपर्क नंबर का न होना।
- सीसीटीवी कैमरे लगवाना।

शिकायतों में से 2 शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है। सीसीटीवी कैमरा लगाने हेतु प्रयास जारी है। कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद पुलिस की सक्रियता लगातार पेट्रोलिंग व असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई, नशे के खिलाफ लगातार अभियान तेज है। साथ ही चेकिंग भी की जा रही है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

शिक्षक भर्ती के नए नियमों का विरोध शुरू

टीचर्स एसोसिएशन बोला- अनुभवी शिक्षक नजरअंदाज, 2 लाख लोगों का भविष्य बिना सुझाव तय किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षिक एवं प्रशासनिक संवर्ग) भर्ती नियम 13 फरवरी 2026 पर कड़ी आपत्ति जताई है। एसोसिएशन का कहना है कि, नए नियमों में विभाग में वर्षों से काम कर रहे अनुभवी शिक्षकों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया है। सीधी भर्ती को जरूरत से ज्यादा प्राथमिकता दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री, स्कूल शिक्षा सचिव और लोक शिक्षण संचालनालय को नियमों में संशोधन के लिए सुझाव भेजे गए हैं। एसोसिएशन का कहना है कि लगभग 2 लाख कर्मचारियों से जुड़े नियम लागू करने से पहले न सुझाव लिए गए, न दावा-आपत्ति मंगाई गई। अधिकतर विभागों में अनुभवी कर्मचारियों को पदोन्नति दी जाती है, लेकिन शिक्षा विभाग में सीधी भर्ती को तरजीह दी गई। इससे लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षक पदोन्नति से वंचित हो जाएंगे।

LB संवर्ग को खत्म करने पर सबसे ज्यादा नाराजगी

13 फरवरी 2026 को प्रकाशित राजपत्र में एल

बी (LB) संवर्ग का पदोन्नति कोटा खत्म कर दिया गया है। अब केवल ई और टी संवर्ग से ही पदोन्नति का प्रावधान रखा गया है। इससे LB संवर्ग के शिक्षकों की तत्काल पदोन्नति रुक जाएगी। एसोसिएशन का कहना है कि पहले L B अलग कैडर था, इसलिए नियमित पदोन्नति मिलती थी, लेकिन अब उसे व्यवहारिक रूप से समाप्त कर दिया गया है। दरअसल, प्रधान पाठक, शिक्षक और अन्य पदों पर LB संवर्ग का नाम ही हटा दिया गया। ई और टी संवर्ग की एकीकृत वरिष्ठता सूची बनेगी। इससे LB संवर्ग पीछे चला जाएगा, कई पदों पर सीधी भर्ती का प्रतिशत बढ़ा दिया गया।

टीचर्स एसोसिएशन के प्रमुख सुझाव

संगठन का कहना है कि, पूर्व की तरह फीडिंग कैडर सिस्टम लागू किया जाए और प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक, शिक्षक और प्रधान पाठक प्राथमिक शाला के पदों पर E/T संवर्ग और E/T–LB संवर्ग के लिए 50–50 प्रतिशत पदोन्नति का प्रावधान रखा जाए, ताकि किसी संवर्ग के साथ अन्याय न हो।

DEO और उपसंचालक पदों पर आपत्ति

वर्तमान नियमों में उपसंचालक और जिला शिक्षा अधिकारी के 25 प्रतिशत पदों को सीधी भर्ती से भरने का प्रावधान किया गया है। एसोसिएशन इसे गलत बताते हुए कहता है कि केवल 10 प्रतिशत पद सीधी भर्ती से और शेष 90 प्रतिशत पद पदोन्नति से भरे जाने चाहिए, ताकि अनुभवी अधिकारियों को आगे बढ़ने का मौका मिल सके।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी पदों पर सवाल

नए नियमों में विकासखंड शिक्षा अधिकारी और सहायक संचालक प्रशासन के पदों को भरने की व्यवस्था पर भी संगठन ने आपत्ति जताई है। एसोसिएशन का कहना है कि सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी से 75 प्रतिशत पदोन्नति का प्रावधान व्यवहारिक नहीं है और इसमें बड़े स्तर पर संशोधन किया जाना चाहिए।

पदोन्नति में स्पष्टता की मांग

टीचर्स एसोसिएशन का कहना है कि प्राचार्य पदों पर पदोन्नति के लिए व्याख्याता और प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक शाला के बीच एकीकृत वरिष्ठता सूची बनेगी या रेशियो तय होगा, इसका स्पष्ट उल्लेख नियमों में होना चाहिए। साथ ही विभागीय परीक्षा में बीएड के स्थान पर प्रशिक्षित स्नातकोत्तर योग्यता तय करने और 55 वर्ष की आयु सीमा हटाने की मांग की गई है।

PTI, ग्रंथपाल भी उपेक्षित

नए भर्ती नियमों में पीटीआई के साथ भी उपेक्षा की गई है। वर्तमान व्यवस्था में पीटीआई को केवल छात्रावास अधीक्षक (क्रीड़ा परिसर) के पद तक ही पदोन्नति का अवसर दिया गया है, जबकि विद्यालयों में खेल और शारीरिक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उनकी अहम भूमिका है। एसोसिएशन का कहना है कि पीटीआई के लिए सहायक विकासखंड क्रीड़ा अधिकारी के पद पर पदोन्नति का प्रावधान किया जाना चाहिए।

5वीं और 8वीं की होगी केंद्रीकृत परीक्षा प्राइवेट स्कूल के बच्चे हो सकते हैं शामिल

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग ने 5वीं और 8वीं की केंद्रीकृत परीक्षा को लेकर स्पष्ट किया है कि, इस साल किसी भी बच्चे को फेल नहीं किया जाएगा। मुख्य परीक्षा में असफल होने पर पूरक परीक्षा का अवसर मिलेगा। उसमें भी सफल नहीं होने पर छात्र को अगली कक्षा में प्रवेश दिया जाएगा। आरटीई लागू होने के बाद कक्षा 1 से 8 तक परीक्षा पर रोक थी। विभिन्न राज्यों से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने की रिपोर्ट के बाद केंद्र सरकार ने आरटीई में शिथिलता दी। 5वीं-8वीं की परीक्षा लेने की अनुमति राज्यों को दी। इसके बाद राज्य शासन ने पिछले साल से परीक्षा फिर शुरू की है।

16 मार्च से 5वीं, 17 मार्च से 8वीं की परीक्षा

इस साल घोषित समय-सारणी के अनुसार 5वीं की परीक्षा 16 मार्च से और 8वीं की 17 मार्च से शुरू होगी। परीक्षा में सरकारी और अनुदान प्राप्त स्कूलों के साथ छत्तीसगढ़ बोर्ड सेकेंडरी ऑफ एजुकेशन से मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूल भी शामिल होंगे।

पिछले साल 15% प्राइवेट स्कूल ही हुए थे शामिल

पिछले साल अचानक निर्णय और समय पर अधिसूचना जारी नहीं होने के कारण प्राइवेट स्कूल संचालकों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। तब कोर्ट ने परीक्षा में शामिल होने का निर्णय स्कूलों पर छोड़ दिया था। नतीजतन केवल 15% प्राइवेट स्कूलों के छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे। इस बार सभी मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। जारी गाइडलाइन के अनुसार, मूल्यांकन के बाद उत्तरपुस्तिकाओं को सीलबंद पैकेट में विकासखंड स्तर पर 3 महीने तक सुरक्षित रखना होगा। इसकी जिम्मेदारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी की होगी। मूल्यांकन केंद्र संकुल विद्यालयों में बनाए जाएंगे।

मिशन 90 प्लस': मुंगेली में अब 'बैकबेंचर्स' बनेंगे टॉपर, कलेक्टर और SSP ने संभाली कमान

मुंगेली। आमतौर पर प्रशासनिक अधिकारी मेधावी छात्रों को सम्मानित करते दिखते हैं, लेकिन मुंगेली में तस्वीर बदली हुई है। मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान 'मिशन 90 प्लस' के तहत जिले के उन विद्यार्थियों पर दांव लगाया जा रहा है, जो अब तक पढ़ाई में पिछड़ रहे थे। कलेक्टर कुन्दन कुमार और एसएसपी भोजराम पटेल ने सीधे 'D' और 'E' ग्रेड वाले विद्यार्थियों से संवाद कर उनमें यह विश्वास जगाया कि संसाधनों का अभाव नहीं, बल्कि इच्छाशक्ति की कमी सफलता में बाधक है। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण अधिकारियों का संवेदी दृष्टिकोण रहा। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने विद्यार्थियों को स्पष्ट संदेश दिया कि "अभाव ही क्षमता को निखारता है।" उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे डरने के बजाय अपने डरों की एक सूची बनाएं और उन पर प्रहार करें। मोबाइल से दूरी और समय प्रबंधन को उन्होंने सफलता का 'ब्रह्मास्त्र' बताया। एसएसपी भोजराम पटेल ने छात्रों को मनोवैज्ञानिक स्तर पर मजबूती प्रदान की। उन्होंने वैचारिक, भावनात्मक और भौतिक ऊर्जा के संतुलन को सफलता का आधार बताया। उन्होंने छात्रों को सिखाया कि कैसे 'सब-कॉन्शियस माइंड' का उपयोग कर कठिन विषयों को समझा जा सकता है।

डिजिटल सपोर्ट और एक्सपर्ट्स की निगरानी

मिशन 90 प्लस केवल एक प्रेरणा सत्र नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक ठोस रणनीतिक ढांचा काम कर रहा है। जिला स्तर पर हर विषय के ग्रुप बनाए गए हैं जहाँ विषय विशेषज्ञ छात्रों की शंकाओं का तुरंत समाधान करते हैं। जो छात्र विषयों को समझने में पीछे हैं, उनके लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। 11,177 और हायर सेकेंडरी के 7,704 छात्र इस मिशन का हिस्सा बन रहे हैं।

ऑल इंडिया चौथी रैंक के साथ सेना में बनीं लेफ्टिनेंट, डिप्टी सीएम ने दी बधाई

मुंगेली की 'सुप्रिया' अब सरहद की रक्षक

बिलासपुर/मुंगेली | बेटियां अब सिर्फ घर की दहलीज तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे देश की सीमाओं की सुरक्षा का जिम्मा भी उठा रही हैं। मुंगेली जिले के छोटे से गांव टेढ़ाधौरा की रहने वाली सुप्रिया ठाकुर ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर पूरे छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। सुप्रिया ने न केवल चयन सुनिश्चित किया, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक्स स्ट्रीम में ऑल इंडिया रैंक-4 हासिल कर अपनी मेधा का लोहा मनवाया है।

"बचपन से ही वर्दी पहनने और देश की सेवा करने का सपना था। इंजीनियरिंग और एनसीसी ने मुझे वह रास्ता दिखाया। आज माता-पिता का सपना पूरा होते देख बहुत खुशी हो रही है।"

-सुप्रिया ठाकुर, नवनियुक्त लेफ्टिनेंट

NCC की वर्दी से जागा 'कमीशन' का सपना

सुप्रिया की सफलता का सफर बिलासपुर के सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल से शुरू हुआ। इसके बाद उन्होंने चौकसे इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन में बी.ई. किया। इंजीनियरिंग के दौरान उन्होंने एनसीसी (NCC) 'C' सर्टिफिकेट प्राप्त किया। सुप्रिया बताती हैं कि एनसीसी कैडेट के रूप में सेना के करीब रहने के दौरान ही उनके भीतर 'कमीशन ऑफिसर' बनने का जुनून पैदा हुआ।

17 SSB बेंगलुरु से 'रिकमेंडेशन'

भारतीय सेना की कठिन चयन प्रक्रिया SSC (W) Tech-66 के माध्यम से सुप्रिया का चयन हुआ है। उन्होंने बेंगलुरु स्थित 17 SSB बोर्ड में अपनी नेतृत्व क्षमता और तकनीकी ज्ञान का परिचय देते हुए सफलता प्राप्त की। सुप्रिया ने अपनी इस कामयाबी का श्रेय पिता वैदेही शरण सिंह श्रीनेत, माता संतोषी सिंह श्रीनेत और अपने भाई के निरंतर सहयोग को दिया है।

सुप्रिया की सफलता से सीखें

यदि आप भी भारतीय सेना में कमीशन ऑफिसर बनकर देश सेवा करना चाहते हैं, तो सुप्रिया का सफर इन बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करने की सीख देता है:

तकनीकी योग्यता : सुप्रिया ने इंजीनियरिंग (Electronics & Telecommunication) के साथ SSC (Tech) एंट्री चुनी। यदि आप इंजीनियर हैं, तो बिना लिखित परीक्षा के सीधे SSB इंटरव्यू के जरिए ऑफिसर बन सकते हैं।

NCC का महत्व: सुप्रिया के पास NCC 'C' सर्टिफिकेट था। एनसीसी न केवल अनुशासन सिखाती है, बल्कि सेना के वातावरण का प्रारंभिक अनुभव (Exposure) भी देती है, जो इंटरव्यू में बहुत काम आता है।

SSB की तैयारी: 17 SSB बेंगलुरु जैसे बोर्ड में चयन के लिए केवल किताबी ज्ञान काफी नहीं है। अपनी Communication Skills, निर्णय लेने की क्षमता और शारीरिक स्फूर्ति पर काम करें।

ऑल इंडिया रैंकिंग का लक्ष्य: केवल पास होने के बजाय 'टॉप रैंक' (जैसे सुप्रिया की AIR-4) का लक्ष्य रखें।

संपादकीय

• सुकांत राजपूत

समस्याओं के तीन स्वरुप

दुनिया में तीन ही समस्याएं हैं। पहली, पैसा होना या न होना। दूसरी, पुरुष के जीवन में स्त्री का होना या न होना। और तीसरी, स्त्री के जीवन में पुरुष का होना या न होना। बाकी समस्याएं इन्हीं तीनों का विस्तारित स्वरुप हैं। हमारे यहां जब अष्टलक्ष्मी का पूजन किया जाता है तो उनका एक रूप गजलक्ष्मी भी है। इसमें लक्ष्मी जी सफेद हाथी पर बैठी हैं और यह सफेद हाथी उड़ भी सकता है। इसका मतलब यही है कि पैसा कुछ भी कर सकता है।

इसीलिए वह समस्या और समाधान, दोनों बन जाता है। दूसरी और तीसरी समस्या में सारा खेल स्त्री-पुरुष का है। चूंकि इन दिनों चरित्र और नैतिकता अंतिम प्राथमिकता बनते जा रहे हैं। इसीलिए लोग देह पर टिक गए। पिछले दिनों पांच साल की एक बच्ची से उसी के रिश्ते के भाई, जिसकी उम्र तेरह साल थी- ने दुष्कर्म किया और बच्ची बुरी तरह आहत है। यह घटना अन्य समाचारों की तरह गुजर गई। लेकिन यह चिंता छोड़ गई कि इन तीन समस्याओं में बाकी दो समस्याएं अब और बड़ी होती जाएंगी।

माता-पिता बच्चों के निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाएं। इन दिनों अपने बच्चों के लालन-पालन में कुछ अधिक ही अलर्ट माता-पिता उनसे अत्यधिक पूछताछ करते हैं और टोका-टाकी करते रहते हैं। इस चक्कर में वो भूल जाते हैं कि बच्चों के मनोविज्ञान पर विपरीत असर पड़ रहा है। जैसे किसी बच्चे को कई खिलौने ला दो तो वह खेलता नहीं है, खिलौने में उलझता है। और यदि एक खिलौना दे दो तो वो तबीयत से खेलता है। माता-पिता बच्चों के स्वयं निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाएं। उन्हें सुनें अधिक, सुनाएं कम और यदि सुनाना ही है तो प्रेरक प्रसंग और आदर्श पात्रों की बात कम से कम रात को सोने के पहले अवश्य सुना दें।

बच्चों को समझाया जाए कि वास्तविकता से कटें नहीं। केवल सूर्य का प्रकाश ऐसा है, जिसमें धुआं नहीं होता। और उसमें जो तपिश है, वो भी स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बन जाती है। इन दिनों हमारे हाथ में एक चिराग है, जिसको सोशल मीडिया कहा जाता है। 9 से 10 घंटे स्क्रीन टाइम वाले बच्चे इस चिराग से रोशनी कम पा रहे हैं और झुलस ज्यादा रहे हैं। दो बड़े खतरे बच्चों के जीवन में उतर गए।

सुशील भोले

कोंदा-भैरा के गोठ

-परोसी राज मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के कहना हे जी भैरा के भगवान राम के वनवास काल म उनला संग देवइया वानर सेना ह आदिवासी परंपरा ले जुड़े लोगन रिहिन हें.

-ए बात ल तो महूँ मानथौं जी कोंदा के वो मन मूल निवासी समाज के ही सदस्य रिहिन हें, उँकर पूछी-सूछी जइसन के माध्यम ले जानवर के रूप म जेन बताए जाथे वो ह सही नोहय.

-हव भई.. सिंघार के कहना हे- वो ह अपन हर बात ल प्रमाण, इतिहास अउ साक्ष्य के आधार म कहिथे.. न कि अंधविश्वास या राजनीतिक सुविधा के अनुसार.

-इतिहास के गोठ ल तो अइसने प्रमाण के संग ही होना चाही.

-हव.. वोकर कहना हे- गोंडी धर्म के ग्रंथ सद्विचार पृष्ठ संख्या 10 म उल्लेख हवय के बाली, सुग्रीव, अंगद अउ हनुमान जइसन वानर वीर मन गोंड, कोल अउ कोरकू समाज ले जुड़े धर्म योद्धा रिहिन.

-अच्छा.

-हव.. सिंघार के कहना हे- माता शबरी घलो भील समाज ले रिहिन हें ए बात ल सब जानथें.. ए सब बात ह आदिवासी समाज के योगदान अउ सम्मान के प्रमाण आय.

अंडमान: प्रकाश, निस्तब्धता और अनंत नीलाई का आमंत्रण

रमेश जायभाये
उपनिदेशक पत्र सूचना कार्यालय रायपुर

कुछ यात्राएँ कैलेंडर में दर्ज छुट्टियाँ नहीं होतीं—वे जीवन की धड़कनों में उतरकर एक नई लय रच देती हैं। अंडमान द्वीपसमूह ऐसी ही एक अनुभूति है, जहाँ पहुँचते ही लगता है मानो समय ने स्वयं को धीमा कर लिया हो। जैसे ही विमान बादलों के आवरण को हटाता है, नीचे फैला समुद्र नीले रंगों की उस दुर्लभ छटा में दिखाई देता है, जिसे आँखें देखती हैं, पर शब्द पकड़ नहीं पाते। फ़िरोज़ी किनारे, नीलम-सी गहराइयाँ, और जल पर बिखरे पन्ना-से द्वीप—मानो प्रकृति ने अपने स्वप्नों की सबसे कोमल चित्रकला यहाँ उकेरी हो।

अंडमान के तट केवल रेत और लहरों का दृश्य नहीं, मनःस्थितियों का विस्तार हैं। स्वराज द्वीप का राधानगर बीच उस निर्मल सौंदर्य का प्रतीक है, जहाँ रेशमी श्वेत रेत पर सूर्य की सुनहरी किरणें उतरती हैं और समुद्र अपनी शांत, पारदर्शी लहरों से यात्रियों का स्वागत करता है। यहाँ चलना ऐसा लगता है जैसे किसी कविता के भीतर प्रवेश कर रहे हों—हर लहर एक पंक्ति, हर झोंका एक उपमा।

शहीद द्वीप का स्वभाव अलग है—यह द्वीप शांति का सौम्य विस्तार है। भरतपुर बीच की उथली, काँच-सी स्वच्छ लहरें, प्राकृतिक शिला-सेतु की अद्भुत संरचना, और हवा में घुली एक अव्यक्त निस्तब्धता—यहाँ प्रकृति धीरे-धीरे हृदय को खोलती है।

भीड़ से दूर, प्रकृति के अधिक अंतरंग स्पर्श की चाह हो तो लॉन्ग आइलैंड का लालाजी बे बीच किसी गुप्त स्वर्ग जैसा खुलता है—जहाँ न कोई कोलाहल, न कोई हड़बड़ी, केवल समुद्र और आत्मा का मौन संवाद।

उत्तर अंडमान में रॉस और स्मिथ द्वीप का दृश्य विस्मित कर देता है। दो द्वीपों को जोड़ती रेत की पतली उजली रेखा—जैसे समुद्र ने स्वयं अपने विस्तार पर एक स्वप्निल हस्ताक्षर कर दिया हो। ज्वार-भाटा के साथ बदलता यह दृश्य हर बार नया चमत्कार बन जाता है।

रोमांच के रंगों से भरा संसार देखना हो तो नॉर्थ बे द्वीप जल-क्रीड़ाओं का जीवंत मंच है। स्कूबा डाइविंग में जब आप जल के भीतर उतरते हैं, तब प्रवाल भित्तियों का रंगीन नगर खुलता है—लाल, पीले, बैंगनी प्रवाल, चंचल मछलियाँ, धीमे तैरते कछुए। वहाँ नीचे एक निस्तब्ध, पर जीवंत ब्रह्मांड है, जहाँ समय का अर्थ बदल जाता है।

जॉली बॉय द्वीप और रेड स्किन द्वीप की जल-पारदर्शिता प्रवालों को मानो काँच के आर-पार देखने जैसा अनुभव देती है। यहाँ समुद्र केवल देखा नहीं जाता—महसूस किया जाता है।

चिड़िया टापू की संध्या रंगों का उत्सव है। सूर्यास्त यहाँ केवल दृश्य नहीं, एक भावानुभूति है—अंबर से लालिमा, लालिमा से बैंगनी, और फिर धीरे-धीरे उतरती सांध्य निस्तब्धता।

वांडूर से मरीन नेशनल पार्क का संसार खुलता है—जहाँ समुद्री जैव-विविधता प्रकृति के संरक्षण और सौंदर्य का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है।

लिटल अंडमान झरनों, सर्फिंग और शांत रोमांच का द्वीप है। डिगलीपुर, रंगत, और मायाबंदर—ये सभी द्वीप अंडमान के उस सरल, ग्रामीण, आत्मीय जीवन का परिचय कराते हैं जहाँ प्रकृति और मनुष्य एक संतुलित सहअस्तित्व में दिखाई देते हैं।

दूर समुद्र में बैरन आइलैंड—भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी—जल और अग्नि का विस्मयकारी संतुलन। अंडमान के द्वीपों की यह विविधता यात्रियों को केवल आकर्षित नहीं करती—मोहित कर लेती है।

वन, गुफाएँ और प्राचीन उपस्थिति

अंडमान का हृदय उसके वनों में धड़कता है। यहाँ के उष्णकटिबंधीय वर्षावन धरती की प्राचीन स्मृतियों का हरित अभिलेख हैं। वृक्ष यहाँ केवल खड़े नहीं, जैसे आकाश से संवाद करते हुए ऊपर उठते हैं। पत्तों के बीच छनकर आती धूप, हवा में घुली मिट्टी और नमी की सुगंध, और पक्षियों की मधुर पुकार—वन का प्रत्येक क्षण एक ध्यान, एक विश्राम, एक पुनर्जागरण है।

मैंग्रोव वन अंडमान की जीवनरेखा हैं। उनकी जटिल जड़ें जल और भूमि के बीच अद्भुत संतुलन रचती हैं। नाव से इनके बीच गुजरना ऐसा लगता है जैसे किसी हरित, रहस्यमयी गलियारे में प्रवेश कर रहे हों—जहाँ प्रकृति की निस्तब्धता स्वयं एक संगीत बन जाती है।

बारातांग द्वीप इस अनुभव को और गहन करता है। यहाँ की चूना-पत्थर (लाइमस्टोन) गुफाएँ प्रकृति की धीमी, धैर्यपूर्ण कला का साक्षात प्रमाण हैं। हजारों वर्षों में टपकती जल-बूँदों ने जिन स्तंभों और आकृतियों को गढ़ा है, वे किसी प्राचीन, निस्तब्ध मंदिर की अनुभूति कराते हैं। गुफा के भीतर शीतल हवा, टपकते जल की लय, और धुँधली रोशनी—मानो समय ने स्वयं को थाम लिया हो।

अंडमान की धरती केवल प्राकृतिक नहीं, सांस्कृतिक विरासत से भी संपन्न है। यहाँ के मूल जनजातीय समुदाय इस भूभाग की प्राचीन आत्मा हैं। जारवा समुदाय का जीवन प्रकृति के साथ गहरे सामंजस्य में बीतता है। उनके लिए वन संसाधन नहीं, संबंध हैं; भूमि अधिकार नहीं, अस्तित्व है। आधुनिक समाज के लिए यह आवश्यक है कि इन समुदायों की गरिमा, निजता और परंपराओं का सम्मान सर्वोपरि रहे। अंडमान की यात्रा तभी पूर्ण है जब हम उसके इस मानवीय आयाम के प्रति संवेदनशील रहें।

वनों के भीतर चलना, पक्षियों की दुर्लभ प्रजातियों को देखना, जैव-विविधता की उस समृद्धि को अनुभव करना—यह सब अंडमान को केवल पर्यटन स्थल नहीं, एक जीवित प्राकृतिक विश्वविद्यालय बना देता है।

जीवन, श्रम, स्वाद और आनंद का अर्थ

अंडमान में समुद्र केवल सौंदर्य का विस्तार नहीं, जीवन का आधार है। मत्स्य पालन यहाँ की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का प्रमुख स्वर है। भोर की धुँधली उजास में समुद्र की ओर जाती नावें, लौटते जाल, और ताज़ी मछलियों की चमक—यह सब श्रम और प्रकृति के गहरे संबंध की कथा कहता है।

नारियल के वृक्ष अंडमान की पहचान हैं। समुद्री हवा के साथ झूमते ये वृक्ष केवल दृश्य नहीं, आजीविका का आधार हैं। नारियल यहाँ भोजन, तेल, पेय, हस्तशिल्प और व्यापार—सभी का महत्वपूर्ण स्रोत है। गाँवों में नारियल की खेती जीवन की सहज लय रचती है।

कुछ द्वीपों पर धान की खेती हरित विस्तार का सुंदर दृश्य प्रस्तुत करती है। वर्षा से भीगी मिट्टी, लहलहाते खेत, और किसानों का श्रम—यहाँ का ग्रामीण जीवन अंडमान के उस शांत, आत्मनिर्भर स्वरूप को दर्शाता है जहाँ प्रकृति और मनुष्य सहजीवन में बंधे हैं।

पर्यटन यहाँ केवल दृश्यावलोकन नहीं, अनुभव है। समुद्र में स्कूबा डाइविंग, स्नॉर्कलिंग, सी-वॉक; तटों पर विश्राम; वन-पथों पर पदयात्रा; नावों से द्वीपों की यात्राएँ—हर गतिविधि आनंद का नया आयाम खोलती है।

आतिथ्य यहाँ औपचारिक नहीं, आत्मीय है। समुद्र-समीप रिसॉर्ट्स, हरित कॉटेज, सरल होमस्टे—हर ठहराव में एक सहज ऊष्मा है। सुबह खारे पवन का स्पर्श, शाम लहरों की ध्वनि—विश्राम को भी एक काव्य बना देते हैं। अंडमान का स्वाद भी उसी प्रकृति का विस्तार है। ताज़ा समुद्री भोजन, नारियल-सुगंधित व्यंजन, उष्णकटिबंधीय फल—यहाँ भोजन केवल तृप्ति नहीं, समुद्र और मिट्टी का उत्सव है।

और अंततः, अंडमान सिखाता है आनंद का सच्चा अर्थ—बिना हड़बड़ी के जीना। तट पर शांत बैठना, सूर्यास्त को निहारना, वन की निस्तब्धता में खो जाना, जल में तैरना। यहाँ समय भागता नहीं—बहता है।

अंडमान एक स्मरण है—कि जीवन केवल गति नहीं, ठहराव भी है; केवल उपलब्धि नहीं, अनुभूति भी है।

आइए अंडमान—जहाँ प्रकृति प्रदर्शन नहीं करती, आलिंगन देती है।

जहाँ समुद्र केवल दृश्य नहीं, संवाद बन जाता है।
जहाँ वन केवल हरियाली नहीं, शांति का आश्रय बन जाते हैं।
और जहाँ यात्रा समाप्त नहीं होती—हृदय में बस जाती है।

चुनाव के बाद भारत के साथ कैसे रिश्ते रखेगा बांग्लादेश?

ढाका। बांग्लादेश के हालिया चुनावों ने देश में 20 साल बाद तारिक रहमान और उनकी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के सत्ता में लौटने का मार्ग प्रशस्त किया है. 12 फरवरी को हुए चुनावों ने ढाका में 2024 में छात्र-आंदोलन के बाद सत्ता से हटे शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद 19 महीने से चले आ रहे राजनीतिक शून्य को समाप्त कर दिया. तारिक रहमान के अगले सप्ताह शपथ लेने की संभावना के साथ ही सभी की नजरें इस बात पर हैं कि ढाका आगे पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके निर्वासन स्थल भारत के संबंध में क्या कदम उठाता है.

BNP का विजयी संदेश और लोकतंत्र पर जोर

जनरल चुनावों में BNP को दो-तिहाई बहुमत मिलने के बाद, तारिक रहमान की पार्टी ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों और हसीना की प्रत्यर्पण प्रक्रिया को लेकर मिश्रित संकेत दिए हैं. शुक्रवार की जीत के अगले दिन अपने संबोधन में तारिक रहमान ने एकजुटता का संदेश देते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि बांग्लादेश एक नई यात्रा शुरू करने वाला है, 'जो एक कमजोर अर्थव्यवस्था के बीच है, जिसे निरंकुश शासन ने पीछे छोड़ दिया था.' उन्होंने कहा, 'यह जीत बांग्लादेश की है. यह जीत लोकतंत्र की है. यह जीत उन लोगों की है जिन्होंने लोकतंत्र के लिए बलिदान दिया. आज से हम सभी स्वतंत्र हैं, असली स्वतंत्रता और अधिकारों की भावना लौट आई है.' जब उनसे भारत-बांग्लादेश संबंधों पर सवाल पूछा गया तो तारिक रहमान ने बांग्लादेश पहले की नीति पर जोर दिया. उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश और उसके लोगों के हित हमारी विदेश नीति तय करेंगे.' उन्होंने पहले भी कहा था कि BNP सरकार पड़ोसी देशों जैसे भारत, चीन और पाकिस्तान के साथ संतुलित संबंध बनाए रखेगी और किसी को अपना मालिक नहीं मानेगी.

हसीना का प्रत्यर्पण मुद्दा

तारिक रहमान की जीत वाले दिन, वरिष्ठ BNP नेता सलाहुद्दीन अहमद ने फिर से भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग दोहराई. हसीना 5 अगस्त 2024 से भारत में रह रही हैं, जब छात्र-आंदोलन के दबाव में उन्हें बांग्लादेश से इस्तीफा देना पड़ा था. नवंबर 2025 में, बांग्लादेश की अंतर्राष्ट्रीय अपराध अदालत (ICT) ने उन्हें 2024 के विरोध प्रदर्शनों पर कार्रवाई से जुड़े मानवता के खिलाफ अपराध में दोषी ठहराया और मृत्युदंड दिया. ढाका ने भारत से हसीना को बांग्लादेश में प्रत्यर्पित करने की मांग की है. सलाहुद्दीन ने कहा, 'हम हमेशा कानून के अनुसार उनका प्रत्यर्पण मांगते हैं।

PM मोदी नहीं, शपथग्रहण में शामिल होंगे लोकसभा अध्यक्ष

बांग्लादेश चुनाव में बंपर जीत के बाद बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. ढाका में मंगलवार(17 फरवरी 2025) को उनका शपथ ग्रहण होना है, जिसमें भारत की तरफ से लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और विदेश सचिव विक्रम मिसरी शामिल होंगे. बीएनपी के नेता एएनएम एहसानुल हक मिलन ने एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में बुलाने की मांग की थी. विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया, 'लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 17 फरवरी, 2026 को ढाका में तारिक रहमान के नेतृत्व में नव निर्वाचित बांग्लादेश सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे. इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष की भागीदारी भारत और बांग्लादेश के लोगों के बीच गहरी और अटूट मित्रता को रेखांकित करती है. साझा इतिहास, संस्कृति और आपसी सम्मान से जुड़े पड़ोसी होने के नाते भारत तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश की निर्वाचित सरकार के गठन का स्वागत करता है.' बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन 17 फरवरी को राष्ट्रीय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान के नए मंत्रिमंडल को शपथ दिलाएंगे. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. इस समारोह का दिलचस्प पहलू यह है कि यह राष्ट्रीय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में आयोजित किया जा रहा है जबकि अभी तक शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित होते रहे हैं. 17 फरवरी को पीएम मोदी का मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय वार्ता का कार्यक्रम तय है. बांग्लादेश ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग के सत्ता से हटने के बाद भारत के साथ संबंधों को नए सिरे से स्थापित करने की इच्छा जताई है।

'रूस से तेल नहीं खरीदेगा भारत', अमेरिका के दावे को विदेश मंत्री ने किया खारिज

नई दिल्ली। जर्मनी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक बार फिर दोहराया कि भारत ने वॉशिंगटन को आश्वासन दिया है कि वह रूस से अतिरिक्त तेल नहीं खरीदेगा. भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उसी सम्मेलन के अगले सत्र में इसका जवाब देते हुए कहा कि भारत रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है. यानी कि भारत बाहरी दबाव के बिना स्वतंत्र रूप से अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध है. मार्को रुबियो ने 14 फरवरी को रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों की बात कही क्योंकि यूरोपीय देश यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका पर दबाव डाल रहे थे. रुबियो के मुताबिक भारत ने रूस से अतिरिक्त तेल नहीं खरीदने का आश्वासन दिया है, जिसका मतलब है कि वर्तमान में जो तेल का ऑर्डर प्रक्रिया में है वो प्रभावित नहीं होगा, लेकिन इस बारे में अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है. रॉयटर्स की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों सहित भारतीय कंपनियां अप्रैल में डिलीवरी के लिए रूसी तेल की खरीद से बच रही हैं.

म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में क्या बोले

म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल के साथ बैठक में एस जयशंकर ने कहा कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता की नीति के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और देश की ऊर्जा खरीद लागत, जोखिम और उपलब्धता जैसे कारकों से तय होगी. उन्होंने कहा कि वैश्विक ऊर्जा बाजार जटिल है और भारत की तेल कंपनियां वही निर्णय लेंगी, जो उन्हें अपने हित में लगेगा. उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यूरोप और शायद दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह ही भारत की तेल कंपनियां भी उपलब्धता, लागत और जोखिम को देखते हुए निर्णय लेती हैं, जो उन्हें अपने सर्वोत्तम हित में लगता है.'

US ट्रेड डील के नाम पर किसानों के साथ विश्वासघात : राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिका और भारत के बीच हुई ट्रेड डील पर फिर से सवाल उठाया है. राहुल गांधी ने पीएम मोदी से पांच सवाल पूछे हैं. अमेरिका के साथ हुई इस ट्रेड डील को राहुल गांधी ने किसानों के साथ विश्वासघात करार दिया है. राहुल गांधी ने एक लंबा चौड़ा पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए सरकार को घेरा है. राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यूएस ट्रेड डील के नाम पर हम भारत के किसानों के साथ विश्वासघात होते हुए देख रहे हैं. मैं प्रधानमंत्री से कुछ आसान सवाल पूछना चाहता हूं.

पीएम से पूछे पांच सवाल

- डीडीजी इम्पोर्ट (DDG import) करने का वास्तव में क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय मवेशियों को GM अमेरिकी मक्का से बने डिस्टिलर अनाज खिलाए जाएंगे? क्या इससे हमारे दूध उत्पाद प्रभावी रूप से अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएंगे?
- अगर हम GM सोया तेल के आयात की अनुमति देते हैं, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और देशभर के हमारे सोया किसानों का क्या होगा? वे एक और कीमतों का झटका कैसे झेल पाएंगे?
- जब आप अतिरिक्त उत्पाद कहते हैं, तो उसमें क्या-क्या शामिल है? क्या यह समय के साथ दाल और अन्य फसलों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने के दबाव का संकेत है?
- गैर-व्यापार बाधाएं (Non-trade barriers) हटाने का क्या मतलब है? क्या भविष्य में भारत पर GM फसलों पर अपने रुख को ढीला करने, खरीद को कमजोर करने या MSP और बोनस को कम करने का दबाव डाला जाएगा?
- एक बार यह दरवाजा खुल गया, तो हर साल इसे और ज्यादा खुलने से हम कैसे रोकेंगे? क्या इसकी रोकथाम होगी, या हर बार सौदे में धीरे-धीरे और भी फसलों को मेज पर रख दिया जाएगा?

अमेरिकी सैनिकों की मौत का बदला! सीरिया में US का अटैक

अमेरिका ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के ठिकानों पर अपनी सैन्य कार्रवाई तेज कर दी है. अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने 'ऑपरेशन हॉकआई स्ट्राइक' के तहत चल रहे अभियान का नया वीडियो और जानकारी जारी की है. यह कार्रवाई दिसंबर में पलमायरा में हुए हमले के बाद शुरू की गई, जिसमें दो अमेरिकी सैनिकों और एक अमेरिकी इंटरप्रेटर की मौत हो गई थी. अमेरिका ने साफ कहा है कि अपने सैनिकों पर हमले का जवाब सख्ती से दिया जाएगा. सेंटकॉम के मुताबिक यह ऑपरेशन 19 दिसंबर 2025 को शुरू किया गया था. 13 दिसंबर को पलमायरा में एक हमलावर ने गोलीबारी की थी. हमलावर को हाल ही में सीरियाई सुरक्षा बलों में भर्ती बताया गया था और उसके चरमपंथी संगठनों से जुड़े होने की बात सामने आई थी।

मैक्रों के दौरे के दौरान होगा बड़ा डिफेंस डील, बेचैन हुआ पाकिस्तान

भारत-फ्रांस साथ बनाएंगे हेलीकॉप्टर और हैमर बम

नई दिल्ली। एआई समिट में शामिल होने भारत आ रहे फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों (17-19 फरवरी) के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में अहम करार होने जा रहे हैं. इनमें साझा हेलीकॉप्टर के निर्माण से लेकर हैमर बम बनाना शामिल है. माना जा रहा है कि इस दौरान, मैक्रों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 114 मेक इन इंडिया राफेल फाइटर जेट को लेकर भी अहम घोषणा कर सकते हैं.रक्षा मंत्रालय ने रविवार (15 फरवरी 2026) को बयान जारी कर बताया कि फ्रांस (यूरोप) की एयरबस कंपनी, टाटा कंपनी के साथ एच-125 लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर का बेंगलुरू के करीब वेमागल (कर्नाटक) में साझा निर्माण करने जा रही है. इस प्लांट का मैक्रों और पीएम मोदी वर्चुअल उद्घाटन करेंगे. इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांस की रक्षा मंत्री प्लांट में मौजूद रहेंगी. इन एलयूएच हेलीकॉप्टर को भारतीय सेना के लिए बनाया जाएगा.

मैक्रों के साथ भारत के दौरे पर आ रही फ्रांसीसी रक्षा मंत्री कैथरिन वातारिन,17 फरवरी को बेंगलुरु में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ हैमर बम को भारत में बनाने को लेकर होने वाले करार के दौरान भी मौजूद रहेंगी. फ्रांस की साफरान कंपनी इन हैमर बम का निर्माण करती है और इन्हें राफेल से लॉन्च किया जाता है. आसमान से जमीन पर मार करने वाले इन हायली एजाइल मोडयूलर म्युनिशन एक्सटेंडेड रेंज (एचएएमएमईआर यानी हैमर), एक स्टैंड ऑफ वेपन (बम) है जिसकी रेंज करीब 70 किलोमीटर है.

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, इन हैमर बम का इस्तेमाल भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान से ऑपरेट होने वाले आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद और लश्कर ए तैयबा के हेडक्वार्टर को तबाह करने के लिए किया गया था. इस हैमर बम को मिराज-2000 और स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस से भी दागा जा सकता है. यही वजह है कि इन बमों को अब भारत में बनाया जाएगा.रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, बेंगलुरु में राजनाथ सिंह और फ्रांसीसी रक्षा मंत्री के बीच दोनों देशों (भारत और फ्रांस) के बीच अगले 10 वर्षों के लिए रक्षा सहयोग पर करार होगा. इस करार के तहत, पहली बार दोनों देशों की सेना (थल सेना) में एक दूसरे के अधिकारियों की तैनाती होने जा रही है. ये पहली बार होगा कि किसी दूसरे देश के सैनिक, भारतीय सेना में तैनात होंगे.रक्षा मंत्रालय की अपेक्स कमेटी, रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने गुरुवार (12 फरवरी 2026) को मेक इन इंडिया के तहत, फ्रांसीसी फाइटर जेट रफेल के भारत में निर्माण को लेकर हरी झंडी दी थी. इस डील के तहत, फ्रांस की दसॉल्ट कंपनी, किसी स्वदेशी (भारतीय) कंपनी के साथ मिलकर भारत में 114 रफाल फाइटर जेट बनाएगी।

टी-20 वर्ल्डकप में भारत की पाक पर सबसे बड़ी जीत

61 रन से हराया; ईशान ने 77 रन बनाए, इंडिया ने सुपर-8 में जगह बनाई

नई दिल्ली। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 61 रनों से हरा दिया है। टूर्नामेंट के इतिहास में यह भारत की पाकिस्तान पर रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सुपर-8 राउंड के लिए क्वालिफाई कर लिया है। टीम लगातार 3 जीत के साथ ग्रुप ए की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है।

रविवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में 176 रन का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तानी टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। उस्मान खान ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और हार्दिक पंड्या ने 2-2 विकेट झटके। टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए। ईशान किशन ने 40 बॉल पर 77 रन की पारी खेली। इस पारी में 10 चौके और 3 छक्के शामिल हैं। कप्तान सूर्यकुमार ने 32 रन बनाए। सईम अयूब ने 3 विकेट लिए।

पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा ने पहले ही ओवर में अभिषेक शर्मा (जीरो) पवेलियन भेज दिया था। जोकि टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका था, क्योंकि तब स्कोर एक रन था। ऐसे में ईशान किशन ने मोर्चा संभाला और तिलक वर्मा के साथ 46 बॉल पर 87 रन की अहम साझेदारी की। इस साझेदारी ने टीम इंडिया को संभाला और मजबूत स्कोर की नींव रखी। बाद में सूर्यकुमार यादव (32 रन), शिवम दुबे (27 रन) और रिंकू सिंह (11 रन) ने टीम को 175 रनों तक पहुंचा दिया।

176 रन का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तान ने पहले ओवर पर साहिबजादा फरहान (जीरो) का विकेट गंवाया। उन्हें हार्दिक पंड्या ने पवेलियन भेजा। उन्होंने 3 ओवर की गेंदबाजी में 16 रन दिए। पंड्या ने 18वें ओवर की आखिरी बॉल पर उस्मान तारिक को बोल्ड करके भारत को जीत दिला दी। यहां से पाकिस्तान की उबरने के चांस थे, लेकिन जसप्रीत बुमराह ने दूसरे ओवर में सईम अयूब (6 रन) और सलमान अली आगा (4 रन) को पवेलियन भेजकर टीम की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

भारत सुपर-8 में पहुंचा, नामीबिया बाहर

भारत ने ग्रुप ए में लगातार तीसरी जीत हासिल की है। इस जीत से टीम इंडिया ने सुपर-8 में प्रवेश कर लिया है। हर ग्रुप से टॉप-2 टीमों अगले दौर में प्रवेश करेंगी। भारत के पास 3 मैचों में 6 अंक हैं। USA दूसरे और पाकिस्तान तीसरे स्थान पर हैं। दोनों के पास 4-4 अंक हैं। USA, पाकिस्तान, नीदरलैंड और नामीबिया अपने-अपने आखिरी मैच जीतकर भी इंडिया से ज्यादा अंक हासिल नहीं कर पाएगी।

वेस्टइंडीज सुपर-8 में क्वालीफाई करने वाली बनी पहली टीम

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 में पहुंचने वाली पहली टीम बनी. कैरेबियन टीम ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए लीग चरण के 25वें मुकाबले में नेपाल को 9 विकेट से हराकर क्वालिफिकेशन हासिल किया. वहीं हारने वाली नेपाल का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया. जिस तरह से वेस्टइंडीज सुपर-8 में जगह हासिल करने वाली पहली टीम बनी. वहीं नेपाल टूर्नामेंट से एलिमिनेट होने वाली दूसरी टीम बनी. इससे पहले ओमान की टीम टी20 विश्व कप से एलिमिनेट हुई थी.

वेस्टइंडीज टेबल में टॉप पर

बता दें कि वेस्टइंडीज ने लगातार तीन मैच जीतने के बाद अगले चरण के लिए क्वालीफाई किया. शाई होप की कप्तानी वाली टीम ने 6 पॉइंट्स हासिल कर लिए हैं. वहीं टीम का नेट रनरेट +1.820 का है. सबसे ज्यादा पॉइंट्स और नेट रनरेट के साथ टीम ग्रुप-सी के पॉइंट्स टेबल में पहले पायदान पर है. बताते चलें कि वेस्टइंडीज ने अब तक तीन मैचों में स्कॉटलैंड को 35 रन से, इंग्लैंड को 30 रन से और नेपाल से 9 विकेट से हराया. टीम को अपना अगला व आखिरी लीग मैच 19 फरवरी को इटली के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेलना है.

नेपाल का भी आखिरी मैच बाकी

एलिमिनेट होने वाली नेपाल टीम ने लगातार तीन मैचों में इंग्लैंड के खिलाफ 4 रन से, इटली के खिलाफ 10 विकेट से और वेस्टइंडीज के खिलाफ 9 विकेट से हार का सामना किया. हालांकि नेपाल को टूर्नामेंट से घर वापस लौटने से पहले अपना आखिरी लीग मैच 17 फरवरी को स्कॉटलैंड के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेलना है.

ग्रुप-सी की वेस्टइंडीज ने तीन मैच जीतने के साथ सुपर-8 के लिए कदम बढ़ा दिया है. लेकिन ग्रुप-डी में मौजूद दक्षिण अफ्रीका के लिए लगातार तीन जीत के बाद भी क्वालिफिकेशन नहीं हुआ है. अब देखना दिलचस्प होगा कि वेस्टइंडीज के बाद आधिकारिक तौर पर दूसरी कौन सी टीम सुपर-8 में पहुंचती है.

8वें वेतन आयोग में नए डायरेक्टर की नियुक्ति

नई दिल्ली। केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनधारियों के बीच 8वें वेतन आयोग को लेकर उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है. करीब 48 लाख से अधिक केंद्रीय कर्मचारी और 68 लाख से ज्यादा पेंशनधारी नए वेतन का इंतजार कर रहे हैं. 31 दिसंबर 2025 को सातवें वेतन आयोग का कार्यकाल खत्म हो चुका है. जिसके बाद स्वाभाविक रूप से उम्मीदें 8वें वेतन आयोग से जुड़ गई हैं. इसी बीच केंद्र सरकार ने आयोग के काम को तेज करने के लिए एक अहम कदम उठाया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) ने 8वें वेतन आयोग में एक नए डायरेक्टर की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है.यह नियुक्ति को इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि सरकार अब आठवें वेतन आयोग को लेकर किसी तरह की देरी नहीं होने देना चाहती हैं.कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DoPT) के आदेश के तहत भारतीय रेलवे लेखा सेवा (IRAS) के 2009 बैच के वरिष्ठ अधिकारी कृष्णा वीआर को यह अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अडानी को मिली 330 करोड़ की मेगा डील

नई दिल्ली। डिफेंस क्षेत्र में अपनी पकड़ और मजबूत करने की दिशा में Adani Enterprises ने एक अहम कदम उठाया है. बीते शुक्रवार के कारोबारी दिन अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी Horizon Aero Solutions ने इंडामेर टेक्निक्स प्राइवेट लिमिटेड के 100 फीसदी शेयर खरीद लिए हैं. इस अधिग्रहण के साथ इंडामेर टेक्निक्स अब पूरी तरह अडानी ग्रुप का हिस्सा बन गई है. उम्मीद की जा रही है कि इस खबर के बाद अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ सकती है.

Horizon Aero Solutions और इंडामेर टेक्निक्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच हुई इस डील की कीमत करीब 330 करोड़ रुपये बताई जा रही है. अडानी इंटरप्राइजेज ने 13 फरवरी को स्टॉक एक्सचेंज को इस डील से संबंधित जानकारी दी है.

डील के अनुसार, कंपनी की 100 प्रतिशत शेयर खरीद लिए गए हैं. जिससे कंपनी की पूरी हिस्सेदारी अडानी इंटरप्राइजेज के पास चली गई है. इंडामेर टेक्निक्स प्राइवेट लिमिटेड डिफेंस एविएशन में मेंटेनेंस और तकनीकी सेवाएं देने वाली देश की जानी-मानी कंपनी है. कंपनी की स्थापना 2016 में हुई थी और यह विमानों की सर्विसिंग, मेंटेनेंस व रिपेयर का काम करती है.कंपनी की अत्याधुनिक सुविधा नागपुर के MIHAN SEZ क्षेत्र में करीब 30 एकड़ (लगभग 1.2 लाख वर्ग मीटर) में फैली हुई है. इस ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट में 10 हैंगर मौजूद हैं और एक समय में 15 एयरक्राफ्ट बे पर काम करने की क्षमता है.

भारत-यूएस डील का असर, फरवरी में 19,675 करोड़ की एफडीआई

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच हुए ट्रेड डील का असर अब दिखने लगा है. विदेशी निवेशकों का रूख भी भारतीय बाजार की तरफ लौट रहा हैं. फरवरी महीने की बात करें तो, विदेशी निवेशकों ने बाजार पर भरोसा दिखाया और जमकर निवेश किया है. आंकड़ों के अनुसार, फरवरी महीने में अब तक विदेशी निवेशकों ने करीब 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया है. बीते कुछ महीनों में विदेशी निवेशकों ने बाजार में जबरदस्त बिकवाली की थी. इस बदलते हुए ट्रेंड से घरेलू निवेशकों का भी भरोसा भारतीय बाजार पर और ज्यादा बढ़ सकता है. लंबे समय तक बिकवाली के बाद अब विदेशी निवेशकों का रुख बदलता नजर आ रहा है. अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने फरवरी के पहले दो हफ्तों में भारतीय शेयर बाजार में 19,675 करोड़ रुपये का निवेश किया है. डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार 13 फरवरी तक यह राशि विदेशी निवेशकों ने बाजार में डाली है. जो पिछले तीन महीनों की लगातार निकासी के बाद एक अहम बदलाव माना जा रहा है.

भारत को मिलेगा रेयर अर्थ डील

नई दिल्ली। आगामी 18 से 22 फरवरी के बीच ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा का भारत दौरा होने वाला हैं. इस राजनीतिक यात्रा के बहुत से मायने निकाले जा रहे हैं. जहां पूरी दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता और वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल का माहौल है, वहीं इस समय ब्राजील के राष्ट्रपति का यह दौरा दोनों ही देशों के लिए नए रास्ते खोल सकता है. ब्राजील के राजदूत केनेथ एच. दा नोब्रेगा ने इस यात्रा को लेकर संकेत भी दिए हैं. उन्होंने कहा हैं कि, यह यात्रा दोनों ही देशों के फार्मास्यूटिकल्स, रेयर अर्थ और आपसी सहयोग के क्षेत्र में बड़ा कदम साबित हो सकता है. उनके इस बयान के बाद रेयर अर्थ को लेकर चीन समेत पूरी दुनिया की नजर भारत- ब्राजील के बीच होने वाली बातचीत पर होगी। पूरी दुनिया रेयर अर्थ के लिए चीन पर अत्यधिक निर्भर है. चीन के पास वैश्विक रेयर अर्थ खजाने का एक बड़ा हिस्सा है. चीन रेयर अर्थ के मामले में अपनी चाल चलता रहता है।

आईसीआरआईईआर की स्टडी में हुआ बड़ा खुलासा

क्या AI की वजह से आईटी सेक्टर में हुई इतनी बड़ी छंटनी?

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से विस्तार के बाद लोगों के मन में यह आशंका बनी हुई है कि क्या इससे बड़े पैमाने पर नौकरियां खत्म हो रही हैं, खासकर आईटी सेक्टर में. हाल की छंटनियों को भी कई बार एआई से जोड़कर देखा गया है. हालांकि, Indian Council for Research on International Economic Relations (आईसीआरआईईआर) द्वारा ओपनएआई के सहयोग से तैयार एक हालिया शोध रिपोर्ट इस धारणा को पूरी तरह सही नहीं मानती.

क्या एआई के चलते जा रही नौकरी?

'AI and Jobs: This Time is No Different' शीर्षक वाली इस स्टडी के अनुसार, मौजूदा समय में आईटी सेक्टर की नौकरियां सीधे तौर पर एआई के कारण नहीं जा रही हैं. रिपोर्ट बताती है कि एआई के आने से काम करने के तरीके ज्यादा व्यवस्थित और कुशल हुए हैं, उत्पादकता बढ़ी है और कार्य-प्रक्रियाओं में बदलाव आया है, लेकिन यह व्यापक स्तर पर मानव कर्मचारियों की जगह नहीं ले रहा. यह सर्वे नवंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच देश के 10 शहरों में 650 आईटी फर्मों पर किया गया, जिसमें भर्ती के रुझान, व्यावसायिक मांग, उत्पादकता और स्किल पैटर्न का विश्लेषण किया गया. रिपोर्ट में सामने आया कि एआई आउटपुट को आसान बनाता है और दक्ष पेशेवरों की उपयोगिता को बढ़ाता है, न कि उन्हें प्रतिस्थापित करता है. कंपनियों ने माना कि एंट्री-लेवल भर्तियों में कुछ कमी जरूर आई है, लेकिन मिड और सीनियर लेवल पर नियुक्तियां पहले की तरह जारी हैं. शोधकर्ताओं का कहना है कि आईटी सेक्टर के रुझान काफी हद तक कोविड-पूर्व ट्रेंड्स के अनुरूप ही हैं और एआई ने उनमें कोई असाधारण बदलाव नहीं किया है.

रिसर्च में क्या निकला?

हालांकि, स्टडी यह भी बताती है कि जिन भूमिकाओं में अधिक ऑटोमेशन संभव है, वे अपेक्षाकृत अधिक जोखिम में हैं. इसके विपरीत, सॉफ्टवेयर डेवलपर्स, डेटा इंजीनियर्स और डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर्स जैसी तकनीकी भूमिकाओं की मांग बढ़ी है. कुल मिलाकर, रिपोर्ट यह संकेत देती है कि एआई नौकरियां खत्म करने के बजाय कौशल-आधारित बदलाव ला रहा है, जिससे कार्यबल को नई तकनीकों के अनुरूप खुद को अपग्रेड करने की जरूरत है.

साप्ताहिक शहर सत्ता

एल्डरमैन के कारण बढ़ेगा 23 करोड़ का बोझ, इसलिए नियुक्तियां अटकीं

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश की सत्ता में काबिज होने के दो साल बाद भी भाजपा सरकार राज्यभर के 759 निगम, पालिका और नगर पंचायतों में एल्डरमैन की नियुक्ति नहीं कर पाई है। कांग्रेस के कार्यकाल में नियुक्ति एल्डरमैन के बर्खास्त होने के बाद से सभी निकायों में उनके पद खाली हैं। चर्चा यह है कि ज्यादातर नगर निगमों में भाजपा पार्षद बहुमत में जीतकर आए हैं।

इसलिए निकायों में मनोनीत जनप्रतिनिधियों की जरूरत ही महसूस नहीं की जा रही है। दूसरी बड़ी वजह फंड की है। सरकार को एल्डरमैन के वेतन (मानदेय) पर ही हर साल करीब 43 लाख रुपए और विकास कामों के लिए फंड के रूप में तकरीबन 23 करोड़ रुपए का बोझ बढ़ जाएगा।

संबंधित वार्डों के लिए सरकार निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को फंड दे ही रही है। ऐसी स्थिति में दोहरा फंड देने से अनावश्यक बोझ बढ़ जाएगा। बताया जा रहा है कि इन वजहों से सरकार एल्डरमैन की नियुक्ति में रुचि नहीं ले रही है। 2018 में सरकार बनाने के महज नौ-दस महीने में ही कांग्रेस सरकार ने निकायों में एल्डरमैनों की नियुक्ति शुरू कर दी थी। 2019 से 2020 के बीच हर निकाय में एल्डरमैन नियुक्त कर लिए गए थे। इसके बाद दिसंबर 2023 में प्रदेश में भाजपा सरकार काबिज हुई। 2024, 2025 बीतने के बाद अब 2026 शुरू हो गया है। यह तीसरा साल है। अब तक एल्डरमैन की नियुक्ति को लेकर सरकार में कोई सुगबुगाहट नहीं है।

इसलिए नियुक्त किए जाते हैं एल्डरमैन

नगर निगम एक्ट 1956 की धारा 9 में एल्डरमैन की नियुक्ति को लेकर प्रावधान है। कैबिनेट में नियुक्ति के निर्णय के बाद नगरीय प्रशासन विभाग आदेश जारी करता है। इसका उद्देश्य अनुभवी लोगों को नगरीय निकायों के संचालन में मदद के लिए मनोनीत करना है। आमतौर पर नामित एल्डरमैन किसी विशेष क्षेत्र के दक्ष और विशेषज्ञ होते हैं। जैसे रोड इंजीनियरिंग, स्वच्छता, वित्त और प्लानिंग इत्यादि। ये नियुक्ति के वैधानिक कारण है। हालांकि, राजनीतिक रूप से देखा जाए तो इसके पीछे राजनीतिक पार्टियों का अपने कार्यकर्ताओं को लाभान्वित करना है।

पालिका-नगर पंचायतों में बीजेपी का पलड़ा भारी

निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का कहना है कि एल्डरमैन को लेकर जरूरत ही महसूस नहीं की जा रही है। रायपुर नगर निगम के 70 में से 60 वार्ड में भाजपा पार्षद चुने गए हैं। एक निर्दलय भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। भाजपा पार्षदों में से अधिकांश पहली बार के निर्वाचित हैं। भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को निगम में मौका मिला है। इसलिए एल्डरमैन की यहां जरूरत ही नहीं है। इसी तरह बिलासपुर के 70 में से 49 वार्डों में भाजपा पार्षद निर्वाचित हुए हैं। यहां कांग्रेस के महज 18 और तीन निर्दलीय पार्षद हैं। यहां भाजपा का सक्सेस रेट 70 फीसदी है। यही स्थिति सभी निगमों, पालिकाओं और पंचायतों में है।

कांग्रेस ने कहा- गरीब बच्चों से छीना शिक्षा का अधिकार

शहर सत्ता/रायपुर। आरटीई के तहत इस साल सीटों में बड़ी कटौती को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि भर्ती नियम बदलकर गरीब बच्चों के शिक्षा के अधिकार पर चोट की गई है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि, पहले आरटीई के तहत निजी स्कूलों में नर्सरी, पीपी-वन, पीपी-टू से लेकर कक्षा पहली तक प्रवेश दिया जाता था। अब नियम बदलकर सीधे क्लास-1 में ही भर्ती अनिवार्य कर दी गई है।

- **RTE में 44 हजार से घटकर 19,466 हुईं सीटें:24 हजार सीटें कम**

24 हजार से ज्यादा सीटें खत्म

उनके मुताबिक, पिछले साल 44,173 सीटों पर प्रवेश हुआ था, जबकि इस बार सिर्फ 19,466 सीटों पर ही एडमिशन होगा। यानी 24 हजार से ज्यादा सीटें खत्म कर दी गईं। कांग्रेस का दावा है कि इससे गरीब परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्हें बच्चों को नर्सरी और पीपी-वन में निजी स्कूलों में दाखिला दिलाने के लिए मोटी फीस चुकानी होगी। जिसके बाद उसी स्कूल में आरटीई के तहत प्रवेश मिल सके। कांग्रेस ने कहा कि शिक्षा का अधिकार कानून बनाते समय स्पष्ट प्रावधान किया गया था कि निजी स्कूलों में नर्सरी से क्लास-1 तक प्रवेश मिलेगा। भाजपा सरकार ने 2014 में लागू अपने ही पूर्व फैसले को बदल दिया है। धनंजय सिंह ठाकुर ने सवाल उठाया कि, जब सरकारी स्कूलों की हालत खराब है, तब गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा कैसे मिलेगी? उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम योजना को भी बंद कर दिया गया, जबकि कई स्कूलों में शिक्षकों को वेतन तक नहीं मिल रहा है। कांग्रेस ने मांग की है कि आरटीई के तहत नर्सरी, पीपी-वन और पीपी-टू से प्रवेश की पुरानी व्यवस्था बहाल की जाए, ताकि गरीब बच्चों का शिक्षा का अधिकार सुरक्षित रह सके।

AAP ने शुरू की किसान न्याय यात्रा

धान खरीदी, खाद की कमी समेत कई मुद्दों को लेकर जाएगी जनता के पास

शहर सत्ता/रायपुर। आम आदमी पार्टी ने प्रदेशभर में 'किसान न्याय यात्रा' की शुरुआत कर दी है। पार्टी धान खरीदी, खाद की कमी और बढ़ती लागत जैसे मुद्दों को लेकर विधानसभा स्तर पर किसानों के बीच पहुंच रही है। AAP का आरोप है कि, 7 लाख से अधिक किसान इस सीजन में अपना धान नहीं बेच पाए। पार्टी ने दावा किया कि करीब 23 लाख टन धान, जिसकी कीमत लगभग 7130 करोड़ रुपए है, जिसे सरकार ने नहीं खरीदा।

5 लाख से ज्यादा किसान बिक्री से वंचित

पार्टी नेताओं के मुताबिक, 2.5 लाख पंजीकृत किसानों से सीधे धान नहीं लिया गया, जबकि एग्रीस्टेक पोर्टल की तकनीकी दिक्कतों और रकबा समर्पण की प्रक्रिया के कारण 5 लाख से ज्यादा किसान बिक्री से वंचित रह गए। उनका कहना है कि सरकार ने शुरुआत से ही सीमित खरीदी की नीति अपनाई, जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ा।

AAP ने कहा कि, धान नहीं बिकने से किसान कर्ज चुकाने की स्थिति में नहीं हैं। कई परिवारों का सालभर का खर्च धान की फसल पर निर्भर रहता है। पार्टी का आरोप है कि टोकन और भुगतान की समस्या से परेशान होकर कई किसानों ने आत्महत्या का प्रयास किया, जिनमें दो की मौत हो चुकी है।

पार्टी ने खाद की कीमतों और मात्रा में बदलाव को भी मुद्दा बनाया है। नेताओं का कहना है कि पोटाश के दाम बढ़ाए गए हैं। पहले 50 किलो की यूरिया बोरी को 45 किलो और अब 40 किलो कर दिया गया, लेकिन कीमत 267 रुपए ही रखी गई है। सहकारी बैंकों में भुगतान निकालने के लिए किसानों को घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है और एक बार में 25 हजार रुपए ही दिए जा रहे हैं। केंद्र सरकार की नई ट्रेड डील पर भी AAP ने सवाल उठाए हैं। पार्टी का कहना है कि अमेरिका के कृषि उत्पादों पर 0% टैरिफ लगाया गया है, जबकि भारत पर 18% टैरिफ लागू है। इससे अमेरिकी कृषि और डेयरी उत्पाद सस्ते दामों पर भारतीय बाजार में आएंगे और स्थानीय किसान प्रभावित होंगे।

राजनांदगांव से शुरुआत

'किसान न्याय जनसभा' की शुरुआत राजनांदगांव से हुई। यहां आयोजित जनसभा में सैकड़ों किसान शामिल हुए और अपनी समस्याएं साझा कीं। किसानों ने बताया कि जिले के हजारों किसान धान नहीं बेच पाए, जिससे उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

रेड, यलो और ग्रीन जोन के आधार पर तय होगा जिलाध्यक्षों का परफार्मेंस

कोर वोटर को साधने 20 हजार से ज्यादा पंचायत अध्यक्ष बनाएगी कांग्रेस

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने के लिए पार्टी ने नई रणनीति तैयार की है। पहली बार ग्राम पंचायतों में कांग्रेस पंचायत अध्यक्ष बनाने जा रही है। ये ग्राम पंचायत के सभी पदाधिकारियों को एक जुट रखने के साथ पार्टी की विचारधारा को निचले स्तर पर पहुंचाने का काम करेंगे। नई दिल्ली में मंगलवार को हुई देशभर के कांग्रेस जिलाध्यक्षों की बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सांसद राहुल गांधी ने जल्द से जल्द पंचायत अध्यक्षों की नियुक्ति के निर्देश दिए। इस प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाने के लिए जिलाध्यक्षों को सीधे नियुक्ति का अधिकार दे दिया गया है।

अंतिम व्यक्ति तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने का प्लान

यह कदम संगठन को बूथ और पंचायत स्तर तक सक्रिय करने के मकसद से उठाया गया है। माना जा रहा है कि इससे गांवों में पार्टी की पकड़ मजबूत होगी और स्थानीय मुद्दों पर तत्काल राजनीतिक सक्रियता बढ़ेगी। कई जगहों पर संगठनात्मक ढांचा कागजों तक सीमित रह गया था। नई व्यवस्था के बाद जिलाध्यक्ष अपने-अपने जिलों की हर ग्राम पंचायत में सक्रिय कार्यकर्ताओं की पहचान कर उन्हें जिम्मेदारी सौंप सकेंगे। इससे निर्णय प्रक्रिया तेज होगी और ऊपर से नाम तय होने में लगने वाला समय बचेगा।

पंचायत से ब्लॉक तक की जिम्मेदारी अब जिलाध्यक्षों की

नए निर्णय के बाद जिलाध्यक्षों की राजनीतिक हैसियत भी बढ़ गई है। संगठनात्मक दृष्टि से अब वे अपने जिले में पार्टी के सबसे प्रमुख फैसले लेने वाले नेता माने जाएंगे। पंचायत स्तर से लेकर ब्लॉक संरचना तक विस्तार की जिम्मेदारी सीधे उन्हीं पर होगी। इससे जिला इकाई में नेतृत्व की स्पष्टता आएगी और समानांतर गुटबाजी पर भी अंकुश लगाने की कोशिश मानी जा रही है। पार्टी अब संगठनात्मक कामकाज की निगरानी के लिए "कलर कोड सिस्टम" भी लागू करने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक जिलाध्यक्षों के काम का मूल्यांकन तीन श्रेणियों में किया जाएगा। इसके तहत जिलाध्यक्षों के परफार्मेंस का आंकलन ग्रीन, येलो और रेड जोन के आधार पर किया जाएगा।

सुशासन में सामूहिक विवाह का वर्ल्ड रिकॉर्ड

6,414 जोड़े एक सूत्र में बंधे, सीएम कन्या विवाह योजना के तहत हुई शादी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर सामाजिक समरसता, सर्वधर्म सद्भाव और संवेदनशील शासन के ऐतिहासिक मिसाल की साक्षी बनी. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत राज्य स्तरीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जहां एक ही दिन में 6,414 जोड़े वैवाहिक जीवन में बंधे. यह अभूतपूर्व आयोजन गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होकर छत्तीसगढ़ के नाम एक और उपलब्धि जोड़ गया. मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेशवासियों के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने दो वर्षों में ही मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को पूरा किया है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता दी जा रही है। उन्होंने तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में मानक बोरा मूल्य में वृद्धि, चरण पादुका योजना का पुनः प्रारंभ, श्रीरामलला दर्शन योजना तथा भूमिहीन मजदूरों को आर्थिक सहायता जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख भी किया। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में की गई थी, जिसे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सतत प्रयासरत है और कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ के लक्ष्य में जनसहभागिता आवश्यक है। कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने इसे ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा कि एक ही दिन में हजारों जोड़ों का विवाह मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता और सर्वसमावेशी सोच का प्रमाण है। कार्यक्रम में विधायक श्री सुनील सोनी, श्री पुरंदर मिश्रा, श्री अनुज शर्मा, श्री मोतीलाल साहू, श्री संपत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर तथा बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव अनेक जनप्रतिधि और अधिकारी कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ आयोजन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मौजूदगी में रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान से लेकर प्रदेशभर के जिलों तक एक साथ विवाह संपन्न हुए. रायपुर में 1,316 जोड़ों को मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष आशीर्वाद दिया, जबकि शेष जोड़े वर्चुअल माध्यम से जुड़े. एक दिन में इतने बड़े पैमाने पर विवाह आयोजन ने इसे विश्व रिकॉर्ड बना दिया.

सर्वधर्म समभाव की अनूठी तस्वीर

यह आयोजन केवल विवाह नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विविधता का उत्सव बन गया.हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध और विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के जोड़ों ने अपने-अपने रीति-रिवाजों से विवाह कर छत्तीसगढ़ की गंगा-जमुनी तहज़ीब को जीवंत कर दिया.

सीएम साय ने वर्ल्ड रिकॉर्ड की दी जानकारी

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि सभी नए जोड़ों को दांपत्य जीवन शुरू करने के लिए बधाई देता हूं. मुस्लिम समाज 3 जोड़ी शादी, ईसाई समाज से 113 जोड़ी शादी, बौद्ध समाज से 5 जोड़ी शादी हुई है. पीवीटीजी समुदाय से 10 जोड़ी शादी हुई है. सरेंडर नक्सलियों की भी शादी हुई है.ऐसी चार बेटियों की शादी हुई है.

हर जोड़े को 35 हजार की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत प्रत्येक नवविवाहित दंपति को 35,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई. मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कभी बेटी का विवाह गरीब परिवारों के लिए चिंता का विषय होता था, लेकिन इस योजना ने उसे सम्मान और भरोसे में बदल दिया है.

कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का शुभारंभ

मुख्यमंत्री साय ने मंच से कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया. पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सरगुजा और बस्तर संभाग के 8 जिलों से शुरुआत की गई. मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन के साथ समाज की भागीदारी से ही स्वस्थ छत्तीसगढ़ का सपना साकार होगा.

मंत्रियों ने बताया ऐतिहासिक दिन

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि इस योजना की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने की थी, जिसे मुख्यमंत्री साय नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि एक ही दिन में हजारों विवाह मुख्यमंत्री की संवेदनशील और सर्वसमावेशी सोच का प्रमाण है. कार्यक्रम में विधायक सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा और मोतीलाल साहू समेत कई नेता और जन प्रतिनिधि मौजूद रहे.

मुख्यमंत्री कन्या विवाह में बौद्ध धर्म के जोड़ों को मिला मुख्यमंत्री का आशीर्वाद

मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के राज्य स्तरीय आयोजन में आज सामाजिक समरसता और सर्वधर्म सद्भाव का सुंदर दृश्य देखने को मिला, जब बौद्ध धर्म के अनुयायी छह नवदंपत्तियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सान्निध्य में वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया। बौद्ध परंपराओं के अनुरूप संपन्न हुए इस विवाह ने मानवीय मूल्यों, करुणा और समानता के संदेश को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बौद्धाचार्य भंते श्री ओमप्रकाश सहारे ने बताया कि बौद्ध रीति-रिवाजों के अनुसार महाकारुणिक भगवान गौतम बुद्ध एवं बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। इसके पश्चात नवदंपत्तियों ने त्रिशरण और पंचशील ग्रहण कर धम्म वंदना, बुद्ध वंदना एवं संघ वंदना की तथा जयमंगल अष्टगाथा के पाठ के साथ जयमाला द्वारा एक-दूसरे को जीवनसाथी के रूप में स्वीकार किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े तथा कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने सभी नवदंपत्तियों के पास जाकर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया और उनके सुखमय दांपत्य जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का उद्देश्य सभी वर्गों और धर्मों के परिवारों को सम्मानपूर्वक विवाह का अवसर प्रदान करना है, जिससे सामाजिक समरसता और भाईचारा और अधिक सुदृढ़ हो।

महाशिवरात्रि : 'बम बम भोले' की गूंज

मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता, भूत-पिशाच संग निकली भोलेनाथ की बारात

छत्तीसगढ़ में सुबह से ही महाशिवरात्रि के पर्व पर मंदिरों में भक्तों की भीड़ लगी हुई है। मंदिरों में भोलेनाथ के दर्शन करने के लिए श्रद्धालु सुबह 4 बजे से पहुंचने लगे। रायपुर में महादेव घाट स्थित हटकेश्वरनाथ महादेव का अर्धनारीश्वर स्वरूप में श्रृंगार किया गया है। वहीं चरोदा में रुद्राक्ष से भगवान शिव का श्रृंगार किया गया। राजिम कुंभ कल्प में ब्रह्म मुहूर्त में श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी के पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद भगवान श्री कुलेश्वरनाथ के दर्शन के लिए लंबी कतारों में खड़े नजर आए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायगढ़ में देर रात करीब एक बजे धर्मपत्नी कौशल्या साय के साथ ग्राम कोसमनारा स्थित श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा धाम पहुंचे। यहां उन्होंने पूजा-अर्चना की।

बिलासपुर, जगदलपुर, दुर्ग-भिलाई में भी भक्तीमय माहौल बना हुआ है। इस दौरान महिलाओं ने भजन कीर्तन किया। राज्य के सबसे प्रसिद्ध गरियाबंद जिले के राजिम में स्थित भूतेश्वर नाथ मंदिर में एक दिन पहले से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर दर्शन किया। आज यहां शिवालय से बाबा भूतेश्वर नाथ की पालकी निकलेगी। आज भी सुबह से भक्तों की लंबी लाइन लगी हुई है। दुर्ग में शिवनाथ नदी के तट पर बर्फ की सिल्ली से आकर्षक शिवलिंग का निर्माण कराया गया है, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां प्राचीन मंदिर होने के कारण हर वर्ष भव्य मेले का आयोजन होता है।

राजनांदगांव जिले स्थित मां पाताल भैरवी सिद्धपीठ में विशाल आयोजन होगा। यहां विराजमान दुर्लभ स्फटिक के पातालेश्वर महादेव और पारे के भव्य पारेश्वर ज्योतिर्लिंग का महारुद्राभिषेक रात 10 बजे से शुरु हो गया। रायगढ़ जिले के कोसमनारा में भी महाशिवरात्रि पर खासा उत्साह देखा जा रहा है। सरगुजा के देवगढ़ स्थित शिवलिंग की अर्धनारीश्वर के रूप में पूजा अर्चना हुई। धमतरी में देर रात भगवान शिव की बारात निकली। वहीं दुर्ग जिले में शाम को राम, रावण, विभिषण, किन्नर, भूत पिशाच, राक्षसों के साथ भगवान की बारात निकली।

गरियाबंद जिले के भूतेश्वर नाथ मंदिर में भक्तों की भीड़

धमतरी में भूत-पिशाच संग निकली भगवान शिव की बारात।

अद्भुत शिवलिंग, जो साल में तीन बार बदलता है रंग

बेमेतरा जिले में शिवनाथ नदी के तट पर स्थित ग्राम जौग का प्राचीन शिव मंदिर अपनी अद्भुत विशेषताओं के लिए प्रसिद्ध है। यहां स्थापित शिवलिंग स्वयंभू माना जाता है, जिसका रंग और स्वरूप प्रकृति के साथ बदलता रहता है। ग्रामीणों और श्रद्धालुओं के अनुसार साल के 12 महीनों में यह शिवलिंग तीन अलग-अलग रूपों में दिखाई देता है। बारिश के दिनों में यह काला, चिकना और स्लेटी नजर आता है, जबकि ठंड के मौसम में इसका रंग गहरा काला हो जाता है। वहीं गर्मी के दिनों में शिवलिंग का रंग भूरा हो जाता है और इसकी सतह खुरदुरी व दरारों वाली दिखाई देने लगती है। यह प्राकृतिक परिवर्तन दूर-दराज के भक्तों के लिए कौतूहल और गहरी आस्था का विषय है। ग्रामीणों के अनुसार, लगभग दो दशक पहले गांव के तालाब की खुदाई के दौरान काले पत्थर की अनेक प्राचीन प्रतिमाएं प्राप्त हुई थीं। इन बहुमूल्य मूर्तियों को तत्कालीन दुर्ग जिला प्रशासन को सौंपा गया था, जबकि कुछ मूर्तियों को मंदिर परिसर में ही सुरक्षित रखा गया है। प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि और सावन मास में यहां भव्य मेले का आयोजन होता है, जहां कुरुद, झलमला, राका और पथर्रा जैसे समीपवर्ती गांवों के अलावा अन्य जिलों से भी हजारों श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। सरपंच अश्वनी साहू और उपसरपंच मनोज साहू सहित ग्राम समिति के सदस्य निरंतर मंदिर

राजिम में संतों की निकली शाही पेशवाई।

महादेव घाट मंदिर में अर्धनारीश्वर स्वरूप में श्रृंगार

राजिम कुंभ कल्प में भक्तों ने लगाई डुबकी

दुर्ग में शिवनाथ नदी किनारे बर्फ से बने शिवलिंग

बाबा धाम पहुंचे विष्णु देव साय, विशेष पूजा के साथ 1.20 करोड़ के कार्यों की सौगात

महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर विष्णु देव साय अपनी पत्नी कौशल्या साय के साथ रायगढ़ प्रवास के दौरान देर रात ग्राम कोसमनारा पहुंचे। लगभग एक बजे उन्होंने श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा धाम में भगवान भोलेनाथ और श्री सत्यनारायण बाबा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए नागरिकों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से 1 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखी। प्रस्तावित कार्यों में मुख्य भवन के सामने ग्रेनाइट फ्लोरिंग और शेड निर्माण, श्रद्धालुओं के विश्राम व भोजन के लिए शेड, शौचालय परिसर का निर्माण तथा पार्किंग क्षेत्र में सीसी सड़क शामिल है। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं से आने वाले भक्तों को बेहतर व्यवस्था मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोसमनारा स्थित यह धाम क्षेत्र की आस्था का प्रमुख स्थल है, जहां की आध्यात्मिक ऊर्जा समाज को सकारात्मक दिशा देती है। उन्होंने विश्वास जताया कि गुरुजनों के आशीर्वाद और जनता के सहयोग से प्रदेश सरकार जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाती रहेगी।

धाम का इतिहास और तपस्या की परंपरा

रायगढ़ जिला मुख्यालय से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित यह धाम वर्षों से श्रद्धालुओं का केंद्र रहा है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा 1998 से कठोर साधना में लीन हैं और वर्ष 2003 में उन्हें 'श्री श्री 108' की उपाधि मिली। कहा जाता है कि उन्होंने पत्थरों को एकत्र कर शिवलिंग का स्वरूप निर्मित किया और खुले स्थान पर हर ऋतु में भगवान शिव की आराधना की।

फसलों की रक्षा करते हैं मेढ़ो देव

रहकर गांव की सुरक्षा करने वाला मेढ़ो देव है जिसे नारसेन देव भी कहते हैं। क्षेत्रीय बोली-भाषा के आधार पर इन ग्राम देवी देवताओं के नाम के उच्चारण में अंतर हो सकता है, किन्तु इनकी स्थापना का उद्देश्य ग्रामवासियों की विभिन्न प्रकार के रोग, दोष, कलह, हिंसक जानवरों से सुरक्षा, प्राकृतिक आपदा से सुरक्षा, अपने पालतू पशुओं की सुरक्षा, फसल की सुरक्षा एवं सुखी जीवन की सुरक्षा के उद्देश्य से की जाती है। इसकी स्थापना एवं पूजा प्रकृति मूलक ग्राम जीवन का गौरव है।

डा किरण नुरूटी

बस्तर के अलावा छत्तीसगढ़ के गांवों में में प्रथमतः माता के रूप में पूजी जाने वाली खेरामाई अर्थात गांव की रक्षा, सुख समृद्धि प्रदान करने वाली माता की स्थापना ग्राम के बीचों बीच चिह्नांकित किसी जीवनदायिनी वनस्पति के मूल में किया जाता है। उसी प्रकार आदिवासियों के जीवन निर्वाह के साथी उसके पालतू पशु, पक्षी आदि की रोग, वन्य जीवों से सुरक्षा आदि के लिए खीला मुठवा देव तथा खेती के लिए उपयोग में लाई जाने वाली औजार, बोई जाने वाली बीज तथा फसलों की कीट पतंगों, जानवरों से सुरक्षा इत्यादि के लिए ठाकुर देव की स्थापना भी किसी वनस्पति के मूल में ही की जाती है।

उसी प्रकार मेढ़ो देव को ग्राम की सरहद पर स्थापित किया जाता है। सरहद यानि गांव का मेढ़। गांव के मेढ़ या सरहद पर

जनजातियों में देवी देवता के लिए गीतों में अनुष्ठान मंत्र

प्रो. नवरतन साव

जनजातियों के व्रत त्योहारों में देवी देवताओं के प्रति अटूट विश्वास आज भी जीवंत है। मरी मसान, डीह डीहवार, भूत प्रेत और पूर्वजों को अलौकिक सत्ता से संपन्न मानते हैं और उनकी संतुष्टि प्रसन्नता के लिए नृत्य गीत, जादू मंत्र, टोना टोटका, ओझाई आदि उपक्रम अपने विश्वासों के अनुरूप करते हैं। इनके पीछे इनका आदिम विश्वास और अधिमान्यताएं कार्य करती हैं। जनजातियां अपनी भाषा का प्रयोग करती हैं। मंत्रों के माध्यम से देवताओं को को आव्हान किया जाता है देखें यह अनुष्ठानिक मंत्र- ईटकी पाट, किटकी पाट, लावा पाट, लवई पाट केंदा पाट, कटवा पाट, कैमूर पाट, बघेसर पाट तिल्ला पाट, बछाड़ा पाट, महरका पाट, छारपुर छात्राही नगर पाट का झलापा देवी भवानी खड़ा हो।

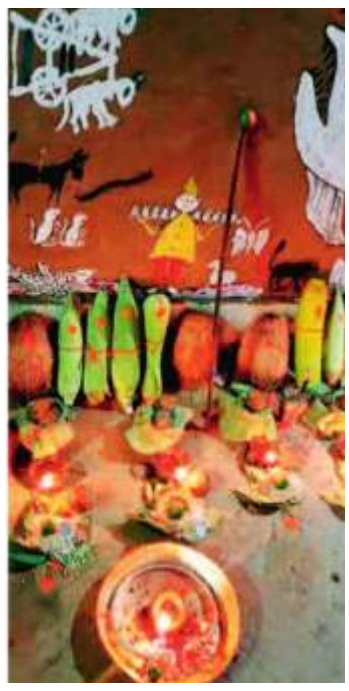

बस्तर अंचल का प्रसिद्ध चेरपाल का मेला

दरवेश आनंद

बस्तर अंचल में बीजापुर जिला मुख्यालय से 13 किलोमीटर की दूरी पर चेरपाल स्थित है। कहा जाता है कि पूर्व में इसका नाम एरपाड़ था जो गोंडी शब्द है। एर का अर्थ पानी और पाड़ का अर्थ स्थल अर्थात पानी वाला स्थान। पूर्वजों के अनुसार ग्राम में एक झरना बहता था जिसके जल का उपयोग ग्रामवासी करते थे। उसी झरने के पानी के कारण उसे एपाड़ कहा जाता था, यही नाम कालांतर में चेरपाल हुआ। इस ग्राम का ग्राम देवता पोतराज है।

पोतराज देव दंतेवाड़ा में विराजित माई दंतेश्वरी और पुजारी कांकेर में स्थित धर्मराज मंदिर से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि वारंगल से जब मां दन्तेश्वरी का आगमन बस्तर में हुआ उसी दौरान चेरपाल में विराजमान पोतराज भी उनके साथ यहां आए। मां दंतेश्वरी दंतेवाड़ा चली गई पर पोतराज देव चेरपाल में रुक गए। पोतराज के छः भाई थे। प्रति वर्ष मार्च महीने में चेरपाल ग्राम में पोतराज मेले का आयोजन किया जाता है। सर्वप्रथम काके कोरमा ग्राम की पहाड़ियों पर पूजा अर्चना के बाद ही पोतराज देव अवतरित होते हैं। कहा जाता है कि इसी पूजा के दौरान पूजा स्थल पर दो सौ बांस के झुरमुट नजर आते हैं। इस मेले के आयोजन के पूर्व पारंपरिक रिवाजों के अनुसार ग्रामवासियों द्वारा शिकार भी किया जाता है। मेले के आयोजन के पश्चात ही कोई भी शुभ कार्य आदि संपन्न किए जाते हैं।

खूबियों से भरा गंधमार्दन पर्वत

विजय शर्मा

गंधमार्दन पर्वत 12 पहाड़ों की श्रृंखला से मिलकर बना है। रामायण के अनुसार लक्ष्मण को जब शक्ति बाण लगी तब सुखैन वैद के अनुसार संजीवनी बूटी लाने हनुमानजी वहां गए और पर्वत को उठाकर ला रहे थे तो भरत जी ने विशाल राक्षस समझ हनुमान को बाण से प्रहार किया, जिससे पर्वत के दो भाग हो गए इनमें एक भाग यही पर्वत है। विष्णु पुराण के अनुसार कपिल मुनि का आश्रम भी था। वह पास के झरने में स्नान किया करते थे, उन्हीं के नाम से उसे कपिल धारा कहते हैं। भीम जिस धारा पर स्नान करते थे उसे भीम धारा कहते हैं। शेष भाई जहां स्नान करते थे उसे पांच पांडव घाट और चाल धारा के नाम से भी जानते हैं। यहां भगवान शंकर और जैनियों के कलात्मक मूर्तियां भी देखने को मिलते हैं। यहां खारवेल शासन काल की पत्थरों पर गणेश और ब्रह्मा जी की खुदी हुई मूर्तियां हैं। यहां मूषक राक्षस ने भगवान विष्णु से युद्ध किया, परिणामस्वरुप मूषक प्राण रक्षा के लिए चूहे का रूप लेकर दरें पर घुस कर बिल्ली बन गए, जिसकी आज भी पूजा होती है।

प्राचीन काल में भी छत्तीसगढ़ में रही तकनीकी विश्वविद्यालय

आचार्य सरयूकांत झा

अति प्राचीन काल से ही साधना और ज्ञान का क्षेत्र छत्तीसगढ़ रहा है। है। इसी क्रम में भगवती चित्रोत्पला गंगा (महानदी) के तट पर कर्दम ऋषि के आश्रम में एक ऐसे विश्वविद्यालय का वर्णन मिलता है जैसा आज भी अति उन्नत देशों में कहीं कहीं ही दिखाई पड़ता है। कर्दम ऋषि का तपोवन बिलासपुर जिले के शिवरीनारायण में स्थित है। प. रविशंकर शुक्ल वि. वि. के पूर्व कुलपति एवं विज्ञान तकनीक क्षेत्र के विख्यात विद्वान डा. रत्न कुमार के अनुसार कर्दम मुनि एक ऐसे विश्वविद्यालय के कुलपति थे जिसने उड्डयन विद्या की तकनीक को विकसित किया था इस काल में पुष्पक विमान अति प्रसिद्ध था। यह विमान पहले कुबेर के पास था। इन विमानों की निर्माण स्थली कर्दम ऋषि के आश्रम में था। ऋषि अपनी पत्नी देवहूति को स्वर्ग लोक और दूसरे लोकों में घुमा कर उनका मनोरंजन करते थे, उन्होंने अन्य लोकवासियों से उन उनका परिचय कराया था।

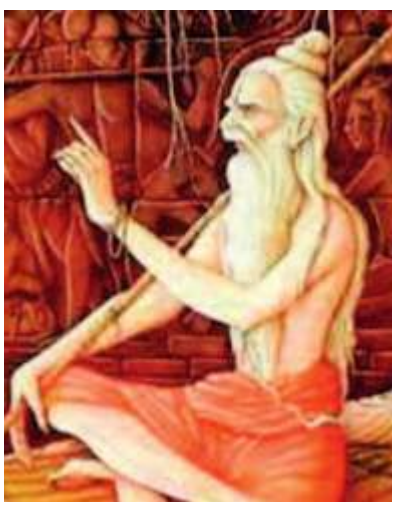

साप्ताहिक शहर सत्ता

क्या रंजन की मौत के राज़ से नहीं उठेगा पर्दा ?

ग्रेसफुल मीडिया के मालिक रंजन की मौत की वजह नहीं मालूम

- बिना सुसाइडल नोट लिखे युवा कारोबारी ने लगा ली थी फांसी
- आत्महत्या से कुछ दिन पहले सरेबाज़ार गुंडों ने किया था हमला
- रायपुर नगर निगम में यूनिपोल और होर्डिंग्स की बकाया है राशि
- ख़ुदकुशी और व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा की बलि चढ़ने की है चर्चा
- युवा कारोबारी को निगम से लेना था करोड़ों रूपये का भुगतान

संवाददाता/पलाश तिवारी
मोबाईल नंबर 9109530678

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी रायपुर का एक युवा और ऊर्जावान कारोबारी जिसका साक्षात्कार लेने माय एफएम भी तत्पर था वह अचानक आत्महत्या के लिए क्यों मजबूर हो गया? जिस पर बाजार का करोड़ों रूपये देनदारी बताई जाती है और जिसको रायपुर नगर निगम से करीब 12 करोड़ रूपये लेना था वह बिना चिट्ठी-पत्री या सुसाइडल नोट लिखे ख़ुदकुशी करने की जल्दी में क्यों था? शहरी सत्ता(रायपुर नगर निगम)का निजाम बदलते ही ग्रेसफुल मीडिया के मालिक को किसी विज्ञापन कंपनी को लाभ पहुंचाने टारगेट में तो नहीं लिया गया? सोशल मीडिया में चर्चित नाम आरटीआई एक्टिविस्ट कुणाल शुक्ला ने भी इस आत्महत्या से संबंधित एक पोस्ट डाला है कितनी सच्चाई है उसमें? ऐसे कई सवाल हैं यूनिपोल लगाने वाली कंपनी ग्रेसफुल मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के एक युवा कारोबारी रंजन पुरोहित की मौत से संबंधित।

परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रही पुलिस

पुलिस ने परिवार के सदस्यों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं। फिलहाल किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों को भी खंगाला गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में किसी तरह की आपराधिक संदिग्धता दिखाई नहीं दे रही है, लेकिन जांच के बाद ही आत्महत्या की सही वजह स्पष्ट होगी। परिवार और परिचितों से भी पूछताछ जारी है। पुलिस को भी आश्चर्य हो रहा है कि एक पढ़ा लिखा और ऊर्जावान कारोबारी बिना ख़ुदकुशी की वजह लिखे परिवार को भी बिना कुछ कहे-बोले जान देने जैसा घातक कदम उठाया।

27 करोड़ से अधिक का घोटाला

दरअसल, पूर्व मेयर एजाज ढेबर ने निगम में 27 करोड़ के यूनिपोल घोटाले का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि यूनिपोल लगाने वाली कंपनी ग्रेसफुल मीडिया प्राइवेट लिमिटेड को नियम विरुद्ध तरीके से अनुमति दी गई और तय संख्या से ज्यादा यूनिपोल लगाने, जगह बदलने, कम रेट पर मंजूरी देने जैसी कई तरह की विसंगतियां शामिल थी। इस मामले में निगम और राज्य शासन ने एक समिति बनाई है। दोनों समितियां मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही हैं।

बकाया शुल्क वसूली के लिए प्रस्तावित कार्रवाई

- नगर निगम ने राजस्व वसूली और वित्तीय अनुशासन लागू करने के लिए निम्नलिखित कठोर कदम उठाने का निर्णय लिया है। नगर निगम द्वारा एक विशेष समिति का गठन किया जाएगा, जो एजेंसी से बकाया राशि वसूली की प्रक्रिया की निगरानी करेगी। यह समिति ग्रेसफुल मीडिया के आय का विश्लेषण कर प्रभावी वसूली उपायों की सिफारिश करेगी।
- ग्रेसफुल मीडिया का विज्ञापन पंजीकरण (लाइसेंस) रद्द कर दिया जाएगा, जिससे वह नगर निगम क्षेत्र में कोई भी विज्ञापन गतिविधि संचालित नहीं कर सकेगी। एजेंसी को ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा, जिससे वह भविष्य में निगम की किसी भी टेंडर में भाग नहीं ले सकेगी।
- कंपनी समय पर भुगतान नहीं करेगी तो विज्ञापन संपत्ति पूर्ण राजसात किया जाएगा। इससे पहले निगम की ओर 30 मिनी यूनिपोल राजसात किए जा चुके हैं और अगले 10 दिनों में बची हुई सभी विज्ञापन संपत्तियों को भी राजसात किया जाएगा।
- अधिकारियों ने बताया कि यदि एजेंसी ने निगम क्षेत्र में ग्रेसफुल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से बिजली कनेक्शन लिया है, और समय पर भुगतान नहीं किया जाएगा तो कंपनी सीएसपीडीसीएल (छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड) को पत्र भेजकर इन कनेक्शनों को तत्काल काटने के निर्देश दिए जाएंगे।
- यदि एजेंसी निर्धारित समयसीमा में बकाया राशि जमा नहीं करती है, तो एजेंसी की बैंक खातों और संपत्तियों को जब्त करना। न्यायालय में वित्तीय वसूली का मुकदमा भी दायर किया जाएगा।

5 जुलाई 2024 (94.3 my fm से सौजन्य) का साक्षात्कार

शुरू से ही, मिस्टर पुरोहित इस बात को लेकर बहुत खास रहे हैं कि ज़िंदगी में कोई भी काम करने के लिए पैशनेट हो और यह आज तक उनके काम में दिखता है। आम हालात के उलट, आप उन्हें आज भी क्लाइंट विज़िट पर जाते और मार्केटिंग प्रोजेक्ट्स को संभालते हुए देख सकते हैं, उतने ही जोश से जितना कोई नया मार्केटिंग ऑफिसर करता है, जो टीम के लिए भी एक बड़ा मोटिवेशन साबित होता है। एक आम लेकिन बहुत सपोर्टिव फैमिली बैकग्राउंड से आने वाले, फाउंडर आसानी से यह पक्का करते हैं कि उनकी स्ट्रेटेजी, क्रिएटिविटी, फैसले लेने की काबिलियत, लीडरशिप और ज़मीन से जुड़ी पर्सनैलिटी, साथ ही उतनी ही डेडिकेटेड टीम, ग्रेसफुल मीडिया में ग्रेस जोड़ती रहे। ऐसा क्या हुआ कि एक ऊर्जावान युवा कारोबारी को ऐसा संदेहास्पद घातक कदम उठाना पड़ा। उनकी ख़ुदकुशी के बाद ऐसे कई सवाल मित्र, परिवार और उन्हें जानने वालों के ज़ेहन में अब भी कौंध रहे हैं।

घोटाला या किसी षड्यंत्र का शिकार हुआ कारोबारी ?

रायपुर नगर निगम में 27 करोड़ के घोटाले की जाँच और अवैध यूनिपोल मामले पर विवाद बढ़ता जा रहा है। एक युवा कारोबारी पर जानलेवा हमले और इस घटना के चंद रोज़ बाद ही युवा कारोबारी का यूं अपने दफ्तर में ख़ुदकुशी करने वाला फैसला पुरे मामले को संदिग्ध बनता है। निगम का ठेका मिलने और देने वालों से लेकर काम के बाद उसकी करोड़ों रूपये की पेमेंट नहीं किये जाने वालों और बाजार से लिए गए काठी कर्जों की वसूली में युवा कारोबारी को बेतहाशा पीटने वालों पर पुलिस जांच का एंगल क्यों नहीं गया है यह भी बड़ा सवाल है। 2019 से लेकर अब तक ग्रेस फुल मिडिया को टेंडर दिया, यूनिपोल होर्डिंग द्वारा अवैध और नियम विरुद्ध करने का आरोप लगाया गया। आरोप है कि अफसरों की मिलीभगत से यह सब हुआ। तत्कालीन महापौर एजाज ढेबर के कार्यकाल का यह पूरा मामला था। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि युवा कारोबारी को निगम द्वारा करोड़ों रूपये बतौर पेमेंट देना था जो नहीं दिया गया है।

परेशान तो था, लेकिन लेटर लिखकर ही जाता

रायपुर यूनिपोल घोटाले मामले में नगर निगम ने ग्रेसफुल मीडिया का टेंडर रद्द कर दिया था। साथ ही, कंपनी पर बकाया विज्ञापन शुल्क का भुगतान न करने के कारण 30 मिनी यूनिपोल, अन्य यूनिपोल और कंपनी की संपूर्ण विज्ञापन संपत्ति (इन्वेंटरी) को राजसात करने का निर्णय लिया था। इसलिए CEO वी. रंजन पुरोहित, ग्रेसफुल मीडिया (i) प्राइवेट लिमिटेड ख़फ़ी तनाव में था। उसे जानने वालों, रिश्तेदारों, दोस्तों और पार्टनरों का कहना है कि परेशान तो था, लेकिन लेटर लिखकर ही जाता वह क्यों नहीं गया यह बड़ा सवाल है। उसे तनाव बाजार से लिए गए कर्ज से ज्यादा निगम के लिए किये गए कार्यों का भुगतान नहीं होने से भी था। कर्जदार भी वसूली के लिए भिड़ने तैयार थे और आत्महत्या से दो दिन पहले ही उसपर हमला भी हुआ था। इन सब से घबराने के बाद भी युवा कारोबारी इतना हताश नहीं था कि वह घातक कदम उठता और अपनी पत्नी, बच्चों या फिर लेनदारों-देनदारों के लिए कोई लेटर नहीं लिखता!

लंबी लड़ाई लड़ने का मन है पर पैसा नहीं है

बकाया भुगतान और बेटे के लिए न्याय की आस में रंजन के चाहने वाले उच्च और सर्वोच्च न्यायलय तक जाने का मन बनाये हैं लेकिन कोर्ट कचहरी में होने वाले खर्च की सोचकर ही दोस्त, रिश्तेदार और परिवार खामोश है। नाम नहीं छपने की शर्त पर परिवार के करीबी ने बताया कि ग्रेसफुल के सीईओ रंजन की निगम में बकाया राशि, भुगतान और व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के साथ निगम-प्रशासन के जिम्मेदारों की भूमिका की सीबीआई जांच होगी तो कई चौंकाने वाले खुलासे होंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.),
मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27